DIGITAL RESOURCE CENTRE (DRC)

CENTRAL LIBRARY

PRESS CLIPPINGS

1-31 March

2025

CONTENT

S No	Title	Author	Newspaper	Page No.	Date of Publication
1.	आईएफटीएम विश्व विद्यालय में गायन गंगा प्रश्नोतर प्रतियोगिता का हुआ आयोजन		युग बन्धु समाचार	7	01/03/2025
2.	आईएफटीएम् विश्व विद्यालय में गायन गंगा प्रश्नोतर प्रतियोगिता का हुआ आयोजन		विधान केसरी	8	01/03/2025
3.	आई एफ टी एम विश्व विद्यालय में विकसित भारत २०४७ : भारतीय ज्ञान प्रणाली की निरंतरता विषय आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार सफलता पूर्वक हुआ संपन		युग बन्धु समाचार	9	01/03/2025
4.	आई एफ टी एम विश्व विद्यालय में एमओओ सीज के साथ करियर पथ पर आगे बढ़ना विषय पर हुआ वेबिनार का आयोजन		विधान केसरी	10	01/03/2025
5.	आई एफ टी एम विश्व विद्यालय में एमओओ सीज के साथ करियर पथ पर आगे बढ़ना विषय पर हुआ वेबिनार का आयोजन		युग बन्धु समाचार	11	01/03/2025
6.	आई एफ टी एम विद्यालय विश्व विद्यालय में बजन घटाने के लिए बेरिआट्रिक सर्जरी विषय पर हुआ सेमिनार		विधान केसरी	12	01/03/2025
7.	आई एफ टी एम विश्व विद्यालय में हुआ सइटिफिक पोस्टर प्रितियोगिता का आयोजन		विधान केसरी	13	01/03/2025
8.	आई एफ टी एम विश्व विद्यालय में हुआ सइटिफिक पोस्टर प्रितियोगिता का आयोजन		शाह टाइम ब्यूरो	14	01/03/2025
9.	आईएफटीएम में आयोजित हुए विविध कार्यक्रम		शाह टाइम ब्यूरो	15	01/03/2025

10.	आई एफ टी एम विश्व विद्यालय में आयोजित हुए विविध कार्यक्रम		विधान केसरी	16	01/03/2025
11.	आई एम टी एम में दो दिवसीय ५बा किसान मेला सुआबां २०२५ का हुआ आगाज		विधान केसरी	17	05/03/2025
12.	आई एम टी एम में दो दिवसीय ५बा किसान मेला सुआबां २०२५ का हुआ सफलता पूरक संपन्न		युग बन्धु समाचार	18	06/03/2025
13.	आई एम टी एम में हुआ पराक्रीम - अंतर विधालय टेक्नो मैनेजमेंट सांस्कृतिक उत्सव का शुभारम्भ		विधान केसरी	19	07/03/2025
14.	टेक्नो मैनेजमेंट उत्सव में एसबीएम की टीम अव्वल		अमरउजाला	20	07/03/2025
15.	आई एम टी एम विश्व विधालय में नेशनल फार्मेसी एजुकेशन डे २०२५ का हुआ आयोजन		युग बन्धु समाचार	21	07/03/2025
16.	आई एम टी एम में हेल्थ केयर विषय पर हुआ सेमिनार		विधान केसरी	22	07/03/2025
17.	आई एम टी एम के स्कूल आफ लॉ की और से हुआ विधिक जागृत रैली का आयोजन		विधान केसरी	23	08/03/2025
18.	आई एम टी एम विश्व विधालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाए जाने के अंतर्गत हुआ सेमिनार का आयोजन		युग बन्धु समाचार	24	11/03/2025
19.	आई एम टी एम के स्कूल आफ लॉ की और से हुआ विधिक जागृत रैली का आयोजन		युग बन्धु समाचार	25	11/03/2025
20.	आई एम टी एम की शिक्षिकाओ डॉ. नेहा शर्मा व डॉ. पूजा गुप्ता की पुस्तक का विमोचन		युग बन्धु समाचार	26	11/03/2025
21.	आई एम टी एम की शिक्षिकाओ डॉ. नेहा शर्मा व डॉ. पूजा गुप्ता की पुस्तक का विमोचन		शाह टाइम ब्यूरो	27	11/03/2025

22.	आई एम टी एम की शिक्षिकाओ डॉ. नेहा शर्मा व डॉ. पूजा गुप्ता की पुस्तक का विमोचन		विधान केसरी	28	11/03/2025
23.	आई एम टी एम में होली पर्व के उपलक्ष में हुआ होली सह भोज कार्यक्रम का आयोजन		शाह टाइम ब्यूरो	29	13/03/2025
24.	आई एम टी एम में होली पर्व के उपलक्ष में हुआ होली सह भोज कार्यक्रम का आयोजन		विधान केसरी	30	13/03/2025
25.	आई एम टी एम में टेकविज-१३ शीर्षक पर हुआ प्रश्नोत्तरी प्रितियोगिता का आयोजन		विधान केसरी	31	13/03/2025
26.	आई एम टी एम विश्व विधालय में प्रोजेक्ट मॉडल पोस्टर प्रेजेंटशन प्रितियोगिता और प्रदर्शनी इनोवाटिका २०२५ का हुआ आयोजन		युग बन्धु समाचार	32	13/03/2025
27.	आई एम टी एम विश्व विधालय में प्रोजेक्ट मॉडल पोस्टर प्रेजेंटशन प्रितियोगिता और प्रदर्शनी इनोवाटिका २०२५ का हुआ आयोजन		विधान केसरी	33	13/03/2025
28.	आई एम टी एम के शिक्षको और विधर्थियो द्वारा चलाया गया डिजिटल साक्षरता अभियान		विधान केसरी	34	13/03/2025
29.	आई एम टी एम में महिला सशक्तिकरण विषय पर आयोजित हुआ नेशनल सेमिनार		विधान केसरी	35	13/03/2025
30.	आई एम टी एम में स्टाफ वर्ग की वार्षिक खेल पतियोगिता शौर्य २०२५ का कुलपति राजीव कोठीवाल ने क्या शुभारम्भ		विधान केसरी	36	18/03/2025
31.	आई एम टी एम में वार्षिक खेल पतियोगिता का आयोजन		अमरउजाला	37	18/03/2025
32.	आई एम टी एम में स्टाफ वर्ग की वार्षिक खेल पतियोगिता शौर्य २०२५ का कुलपति राजीव कोठीवाल ने क्या शुभारम्भ		युग बन्धु समाचार	38	18/03/2025
33.	आई एम टी एम में स्टाफ वर्ग की वार्षिक खेल पतियोगिता शौर्य २०२५ का कुलपति		हिंदुस्तान	39	18/03/2025

	राजीव कोठीवाल ने क्या शुभारम्भ				
34.	एम टी एम में स्टाफ वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य २०२५ के लीग मेचो में महिलाओ ने दिखाया दम		विधान केसरी	40	18/03/2025
35.	एम टी एम में स्टाफ वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य २०२५ के लीग मेचो में महिलाओ ने दिखाया दम		अमरउजाला	41	18/03/2025
36.	आई एम टी एम में एनईपी -२०२० : सेन्सिजेशन ऐंड ओरिएटेशन विषय पर हुआ यूजीसी एफडीपी का शुभारम्भ		विधान केसरी	42	19/03/2025
37.	वार्षिक खेल प्रितियोगिता शौर्य -२०२५ में शंकर भवन यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक और फार्मेसी संकाय स्कूल ऑफ़ साइंस के बीच गुरुबार को खेला जायेगा सेमीफानल		विधान केसरी	43	20/03/2025
38.	प्रितियोगिता में ५ गोल्ड और २ रजत पदक जीत कर यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की टीम ने जेता चैम्पियन का ख़िताब		विधान केसरी	44	22/03/2025
39.	प्रितियोगिता में ५ गोल्ड और २ रजत पदक जीत कर यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की टीम ने जेता चैम्पियन का ख़िताब		अमरउजाला	45	25/03/2025
40.	आई एम टी एम में बिजनेस मॉडल केनबस विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन		विधान केसरी	46	22/03/2025
41.	आई एम टी एम में शौर्य प्रितियोगिता का आगाज		अमरउजाला	47	22/03/2025
42.	अपनी प्रतिभा का करे प्रदर्शन : कोठीवाल		अमरउजाला	48	22/03/2025
43.	आई एम टी एम विश्व विधालय में विधार्थी वर्ग की वार्षिक खेल प्रितियोगिता शौर्य २०२५ में लेग मेचो में बढ़त बनाने के खिलाड़ियों ने बहाया पसीना		युग बंदु समाचार	49	22/03/2025
44.	आई एम टी एम विश्व विधालय में विधार्थी बर्ग की वार्षिक खेल प्रितियोगिता में छात्रों का रहा जोरदार प्रदर्शन		विधान केसरी	50	22/03/2025
45.	खेल प्रितियोगिता में छात्रों ने दिखाया दम		हिंदुस्तान	51	22/03/2025

46.	आई एम टी एम में सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत हुआ विविथ कार्य क्रम का आयोजन		विधान केसरी	52	22/03/2025
47.	आई एम टी एम विश्व विधालय में हुई वन्य जीव सरंषण पर स्लोगन लेखन प्रितियोगिता		विधान केसरी	53	27/03/2025
48.	स्लोगन लेखन प्रितियोगिता में प्रियांशी ने मारी बाजी		हिंदुस्तान	54	27/03/2025
49.	हेलमेट हमरी सुरक्षा इसे जरूर पहने		हिंदुस्तान	55	27/03/2025
50.	विवि की स्पोर्ट्स मीट में छाये रहे खिलाडी		हिंदुस्तान	56	28/03/025
51.	आई एम टी एम में विद्यार्थी वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य २०२५ में स्कूल आफ बिजनेस मैनेजमेंट १० गोल्ड पदक जीतकर बना ओबर ऑल चैम्पियन		विधान केसरी	57	28/03/2025

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में ज्ञान गंगा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ एवं स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय ज्ञान प्रणाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ज्ञान गंगा प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और चैट जीपीटी जैसे सॉफ्टवेयर ने आम जनमानस की बौद्धिक एवं तार्किक क्षमताओं को न केवल कुंठित किया है, बल्कि ये भविष्य की संभावनाओं को अवरोधित करने का काम करेगी। उन्होंने प्रतिभागी विद्यार्थियों को ऐसे कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए भी प्रेरित किया, ताकि इससे उनकी बौद्धिक एवं तार्किक क्षमता द्वारा विश्लेषण करने में मदद मिले। यह प्रतियोगिता कुल 5 चरणों में आयोजित की गई, जिसके द्वारा विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान, तार्किक बुद्धि, सजगता को विभिन्न स्तर पर परीक्षण किया गया। सभी पांच चरणों के आधार पर प्रतियोगिता में पहला स्थान स्कूल ऑफ लॉ ने हासिल किया, दूसरे स्थान पर स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज रहे तथा स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर एण्ड इंजीनियरिंग ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के उपरांत सफल प्रतिभागियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन बीबीए एलएलबी छठे सेमेस्टर की छात्रा नजफ फिरोज और बेनजीर शाकिर ने किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में कार्यक्रम की आयोजन सचिव व स्कूल ऑफ लॉ की सुश्री कल्पना शर्मा और सुश्री ऊर्जा अरिवान द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभागाध्यक्ष डॉ. योगेन्द्र सिंह के अलावा डॉ. मनीषा माटोलिया, डॉ. शिखा मिश्रा, डॉ. उदय वीर सिंह, डॉ. चित्रा सिंह, श्री विवेकानन्द, श्री दिनेश सिंह सागर सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रो. श्याम बिहारी मिश्रा द्वारा सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस प्रतियोगिता में जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 50 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। वि0

आईएफटीएम में ज्ञान गंगा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ एवं स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय ज्ञान प्रणाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ज्ञान गंगा प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और चैट जीपीटी जैसे सॉफ्टवेयर ने आम जनमानस की बौद्धिक एवं तार्किक क्षमताओं को न केवल कुंठित किया है, बल्कि ये भविष्य की संभावनाओं को अवरोधित करने का काम करेगी। उन्होंने प्रतिभागी विद्यार्थियों को ऐसे कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए भी प्रेरित किया, ताकि इससे उनकी बौद्धिक एवं तार्किक क्षमता द्वारा विश्लेषण करने में मदद मिले। यह प्रतियोगिता कुल 5 चरणों में आयोजित की गई, जिसके द्वारा विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान, तार्किक बुद्धि, सजगता को विभिन्न स्तर पर परीक्षण किया गया। सभी पांच चरणों के आधार पर प्रतियोगिता में पहला स्थान स्कूल ऑफ लॉ ने हासिल किया, दूसरे स्थान पर स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज रहे तथा स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर एण्ड इंजीनियरिंग ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के उपरांत सफल प्रतिभागियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन बीबीए एलएलबी छठे सेमेस्टर की छात्रा नजफ फिरोज और बेनजीर शाकिर ने किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में कार्यक्रम की आयोजन सचिव व स्कूल ऑफ लॉ की सुश्री कल्पना शर्मा और सुश्री ऊर्जा अरिवान द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभागाध्यक्ष डॉ. योगेन्द्र सिंह के अलावा डॉ. मनीषा माटोलिया, डॉ. शिखा मिश्रा, डॉ. उदय वीर सिंह, डॉ. चित्रा सिंह, विवेकानन्द, दिनेश सिंह सागर सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में स्कूल ऑफ लॉ के निदेशक प्रो. श्याम बिहारी मिश्रा द्वारा सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस प्रतियोगिता में जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 50 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में विकसित भारत 2047: भारतीय ज्ञान प्रणाली की निरंतरता विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार सफलतापूर्वक हुआ सम्पन्न

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज द्वारा इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च-उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, नई दिल्ली के सहयोग से विकसित भारत 2047: भारतीय ज्ञान प्रणाली की निरंतरताह्ह विषय पर आयोजित दो दिवसीय नेशनल सेमिनार शनिवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सेमिनार के सफल आयोजन हेतु आयोजन समिति के सभी सदस्यों को बधाई दी। सेमिनार के विशिष्ट अतिथि व गुरुगोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन के डीन प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी ने कहा कि भारतवासियों को अपने अतीत की गौरवशाली ज्ञान परम्परा को पुनः जागृत करने की आवश्यकता है। इससे आने वाली युवा पीढ़ी प्रेरणा लेकर नए भारत का निर्माण कर सकेगी। दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षा विभाग के प्रो. प्रवीन कुमार तिवारी ने कहा कि हमारे चारों वेदों में वर्णित अनेक संस्मरण इस बात का उदाहरण है कि भारत ज्ञान के क्षेत्र में हमेशा अग्रणी रहा है। इस दो दिवसीय नेशनल सेमिनार के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. गौरव राय, इंदिरा गांधी मुक्त

विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के हिंदी विभाग के प्रो. नरेंद्र मिश्र, आईआईटी पटना के डॉ. अक्षर त्रिपाठी, राजकीय पीजी कालेज, रामनगर, भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. डीएन जोशी, डॉ. सचिन भारती समेत कई शिक्षाविदों ने तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता करते हुए भारतीय ज्ञान परम्परा पर अपने विचार व्यक्त किए।

इस मौके पर सेमिनार के संयोजक व स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निदेशक प्रो. मोहन लाल आर्य ने दो दिनों तक चले सेमिनार की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस सेमिनार में 125 से अधिक शिक्षकों, शोधार्थियों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यमों से प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत के विकसित होने के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सपने को हम सभी मिलकर पूरा करने में सहयोग करेंगे। सेमिनार में उपस्थित विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति-एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति-रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। सेमिनार का संचालन शिक्षा विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निकिता यादव, डॉ. नेहा शर्मा एवं अंग्रेजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री पुरोबी बनर्जी ने किया। सह संयोजक व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शुक्ल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। सेमिनार के सफल आयोजन में आयोजन सचिव डॉ. राजकुमारी गोला, डॉ. लक्ष्मी मिश्रा, श्री पुलकित शर्मा सहित आयोजन समिति के सभी सदस्यों की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षक व शोधार्थी उपस्थित रहे। एजेंसी

आईएफटीएम में एमओओसीज के साथ "कैरियर पथ पर आगे बढ़ना" विषय पर हुआ वेबिनार का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एलुमनाई एसोसिएशन (आईयूएए) द्वारा स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लिकेशंस के सहयोग से एमओओसीज के साथ कैरियर पथ पर आगे बढ़ना विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। इस वेबिनार में विश्वविद्यालय से कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग-बैच 2004-2008 की पूर्व छात्रा व वर्तमान में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग की डॉ. श्वेता अग्रवाल मुख्य वक्ता रहीं। मुख्य वक्ता डॉ. अग्रवाल ने अपने वक्तव्य में कहा कि कौरसेरा, ईडीएक्स, स्वयम महत्वपूर्ण एमओओसी प्लेटफॉर्म्स हैं। ये प्लेटफॉर्म्स विद्यार्थियों को अपनी रुचि के अनुसार कोर्स चुनने का विकल्प देते हैं। एमओओसीज का उद्देश्य शिक्षा को अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाना है। उन्होंने जानकारी दी कि मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज ने शिक्षा की दुनिया में क्रांति ला दी है, जो कि वेब-आधारित मुफ्त दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम हैं। मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, कार्यकारी शिक्षा और कर्मचारी विकास के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। साथ ही डॉ. अग्रवाल ने अपने व्यापक अनुभव और ज्ञान के आधार पर मूल्यवान सुझाव देते हुए छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया। वहीं कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लिकेशन्स के निदेशक प्रो. राहुल कुमार मिश्रा ने सेमिनार के विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि इस वेबिनार का उद्देश्य विद्यार्थियों को एमओओसी (मासिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज) के जरिए अपने कॅरियर चुनने के तरीकों के बारे में जानकारी प्रदान करना हैं। उन्होंने बताया कि एमओओसी के माध्यम से विद्यार्थी दुनिया के किसी भी कोने से उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं, बस आपको इंटरनेट कनेक्शन की आवश्यकता होती है। एमओओसी कोर्सेज आमतौर पर सैल्फ पेस्ड होते हैं, जिसका मतलब है कि आप अपने समय और सुविधा के अनुसार अध्ययन कर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि एमओओसी प्लेटफॉर्म पर हजारों विषय और कोर्सेज उपलब्ध होते हैं, जिससे आप अपनी रुचि और कॅरियर के अनुसार विषय चुन सकते हैं। इस मौके पर आईयूएए के अध्यक्ष व परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव ने वेबिनार के दौरान अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराने हेतु एलुमिना व मुख्य वक्ता डॉ. अग्रवाल की सराहना करते हुए उन्हें उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी। इस दौरान कार्यक्रम के संयोजक व कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र सिंह एवं आयोजन सचिव व कंप्यूटर एप्लीकेशन के विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार शुक्ल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वेबिनार के सफल आयोजन में डॉ. अभिषेक कुमार मिश्रा एवं डॉ मनीष रंजन पांडे का महत्वपूर्ण योगदान रहा। तकनीकी सहयोग श्री हरप्रीत सिंह चावला द्वारा दिया गया। इस वेबिनार में विद्यार्थियों ने बड़ी उत्सुकता से भाग लिया तथा मुख्य वक्ता डॉ. अग्रवाल ने प्रतिभागी विद्यार्थियों द्वारा जिज्ञासावश पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देते हुए उनकी शंकाओं का समाधान भी किया। अंत में डॉ. अरविंद शुक्ला ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस वेबिनार में बीसीए, एमसीए एवं बीटेक, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के 80 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में एमओओसीज के साथ कैरियर पथ पर आगे बढ़ना विषय पर हुआ वेबिनार का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एलुमनाई एसोसिएशन (आईयूएए) द्वारा स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लिकेशंस के सहयोग से एमओओसीज के साथ कैरियर पथ पर आगे बढ़ना विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। इस वेबिनार में विश्वविद्यालय से कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग-बैच 2004-2008 की पूर्व छात्रा व वर्तमान में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग की डॉ. श्वेता अग्रवाल मुख्य वक्ता रहीं। मुख्य वक्ता डॉ. अग्रवाल ने अपने वक्तव्य में कहा कि कौरसेरा, ईडीएक्स, स्वयम महत्वपूर्ण एमओओसी प्लेटफॉर्म्स हैं। ये प्लेटफॉर्म्स विद्यार्थियों को अपनी रुचि के अनुसार कोर्स चुनने का विकल्प देते हैं। एमओओसीज का उद्देश्य शिक्षा को अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाना है। उन्होंने जानकारी दी कि मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज ने शिक्षा की दुनिया में क्रांति ला दी है, जो कि वेब-आधारित मुफ्त दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम हैं। मैसिव ओपन

डॉ. श्वेता अग्रवाल

ऑनलाइन कोर्सेज विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, कार्यकारी शिक्षा और कर्मचारी विकास के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। साथ ही डॉ. अग्रवाल ने अपने व्यापक अनुभव और ज्ञान के आधार पर मूल्यवान सुझाव देते हुए छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया। वहीं कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लिकेशन्स के निदेशक प्रो. राहुल कुमार मिश्रा ने सेमिनार के विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि इस वेबिनार का उद्देश्य विद्यार्थियों को एमओओसी (मासिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज) के जरिए अपने कॅरियर चुनने के तरीकों के बारे में जानकारी प्रदान करना हैं। उन्होंने बताया कि एमओओसी के माध्यम से विद्यार्थी दुनिया के किसी भी कोने से उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं, बस आपको इंटरनेट कनेक्शन की आवश्यकता होती है। एमओओसी कोर्सेज आमतौर पर सैल्फ पेस्ड होते हैं, जिसका मतलब है कि आप अपने समय और सुविधा के अनुसार अध्ययन कर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि एमओओसी प्लेटफॉर्म पर हजारों विषय और कोर्सेज उपलब्ध होते हैं, जिससे आप अपनी रुचि और कॅरियर के अनुसार विषय चुन सकते हैं।

इस मौके पर आईयूएए के अध्यक्ष व परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव ने वेबिनार के दौरान अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराने हेतु एलुमिना व मुख्य वक्ता डॉ. अग्रवाल की सराहना करते हुए उन्हें उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी। इस दौरान कार्यक्रम के संयोजक व कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र सिंह एवं आयोजन सचिव व कंप्यूटर एप्लीकेशन के विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार शुक्ल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वेबिनार के सफल आयोजन में डॉ. अभिषेक कुमार मिश्रा एवं डॉ मनीष रंजन पांडे का महत्वपूर्ण योगदान रहा। तकनीकी सहयोग श्री हरप्रीत सिंह चावला द्वारा दिया गया। इस वेबिनार में विद्यार्थियों ने बड़ी उत्सुकता से भाग लिया तथा मुख्य वक्ता डॉ. अग्रवाल ने प्रतिभागी विद्यार्थियों द्वारा जिज्ञासावश पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देते हुए उनकी शंकाओं का समाधान भी किया। अंत में डॉ. अरविंद शुक्ला ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस वेबिनार में बीसीए, एमसीए एवं बीटेक, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के 80 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। वि0

आईएफटीएम में वजन घटाने के लिए बेरिएट्रिक सर्जरी विषय पर आयोजित हुआ सेमिनार

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एल्युमिनाई एसोसिएशन (आईयूएए) और स्कूल ऑफ साइंसेज के संयुक्त तत्वावधान में वजन घटाने के लिए बेरिएट्रिक सर्जरी विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सेमिनार के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थियों के समग्र विकास तथा जीवन में आने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए इस प्रकार के आयोजन के माध्यम से विशेषज्ञों से मार्गदर्शन लेना अत्यंत आवश्यक है। इस सेमिनार में विश्वविद्यालय से एम.एससी, गृह विज्ञान-2022 बैच की पूर्व छात्रा व वर्तमान में उजाला सिग्नस ब्राइट स्टार हॉस्पिटल, मुरादाबाद में डायटिशियन के पद पर कार्यरत कु0 एकता मुख्य वक्ता रहीं। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह और मुख्य वक्ता कु0 एकता ने भगवान गणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर सेमिनार का शुभारंभ किया। मुख्य वक्ता कु0 एकता ने अपने वक्तव्य में बैरिएटिक सर्जरी के विभिन्न पहलुओं को विस्तार से समझाने के साथ ही समाज में बैरिएटिक सर्जरी की उपयोगिता के बारे में सविस्तार जानकारी उपलब्ध कराई। उन्होंने बताया कि किसी भी इंटरव्यू में चयनित होने के लिए केवल कठिन परिश्रम ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन तथा एकाग्रचित होना भी अनिवार्य है। इस मौके पर प्रो. बी.के. सिंह ने मुख्य वक्ता व एलुमना कु0 एकता को विश्वविद्यालय की ओर से प्रतीक-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन समन्वयक डॉ. पवन कुमार शुक्ला ने किया। सेमिनार की संयोजिका व गृह विज्ञान विभाग की डॉ. तृप्ति पाण्डे ने सभी के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। आयोजन के सफल आयोजन में कार्यक्रम सह संयोजिका श्रीमती रुचि चौधरी एवं आयोजन सचिव कु0 पायल सिंह की मुख्य भूमिका रही। इस अवसर पर स्कूल के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक और 50 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आईएफटीएम में हुआ साइंटिफिक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल और इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के संयुक्त तत्वावधान में जैव प्रौद्योगिकी और खाद्य प्रौद्योगिकी के बहुविषयक परिदृश्य की खोज थीम पर एक साइंटिफिक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। इस प्रतियोगिता में स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के 40 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर एमएस.सी, बायोटेक्नोलॉजी, द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा शिवानी सागर ने प्रथम, बी.एससी, बायोटेक्नोलॉजी, चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राएं फाहिला, अंजुमन और गार्गी को द्वितीय एवं बीएससी माइक्रोबायोलॉजी छठे सेमेस्टर की छात्राएं आइमा और तबीदा को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। निर्णायक मंडल में यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की अपर निदेशिका डॉ. नीलू त्रिवेदी एवं स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ऋषि श्रीवास्तव शामिल थीं। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल और बायोटेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. तंजील अहमद ने विद्यार्थियों को जैव प्रौद्योगिकी और खाद्य प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के बारे में विभिन्न अवसरों की जानकारी दी। डॉ. अहमद ने यह भी बताया कि पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहीं तीनों टीमों के विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आयोजन सचिव डॉ. उत्कर्ष त्यागी और संयोजिका कंचन लखेरा, डॉ. अंकित अग्रवाल, डॉ. मीतू सैनी एवं डॉ. स्मृता सिंह समेत कई अन्य फैकल्टी मेंबर्स का योगदान रहा।

आईएफटीएम में हुआ 'साइंटिफिक पोस्टर प्रतियोगिता' का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के स्टूडेंट डेवलपमेंट सेल और इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के संयुक्त तत्वावधान में 'जैव प्रौद्योगिकी और खाद्य प्रौद्योगिकी के बहुविषयक परिदृश्य की खोज' थीम पर एक "साइंटिफिक पोस्टर प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्व विद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। इस प्रतियोगिता में स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के 40 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर एमएस.सी, बायोटेक्नो लॉजी, द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा शिवानी सागर ने प्रथम, बी.एससी, बायोटेक्नोलॉजी, चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राएं फाहिला, अंजुमन और गार्गी को द्वितीय एवं बीएससी माइक्रोबायोलॉजी छठे सेमेस्टर की छात्राएं आइमा और तबीदा को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। निर्णायक मंडल में यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की अपर निदेशिका डॉ. नीलू त्रिवेदी एवं स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ऋषि श्रीवास्तव शामिल थीं। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल और बायोटेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. तजील अहमद ने विद्यार्थियों को जैव प्रौद्योगिकी और खाद्य प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में करियर बनाने के बारे में विभिन्न अवसरों की जानकारी दी। डॉ. अहमद ने यह भी बताया कि पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहीं तीनों टीमों के विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आयोजन सचिव डॉ. उत्कर्ष त्यागी और संयोजिका कंचन लखेरा, डॉ. अंकित अग्रवाल, डॉ. मीतू सैनी एवं डॉ. स्मृता सिंह समेत कई अन्य फैकल्टी मेंबर्स का योगदान रहा।

आईएफटीएम में आयोजित हुए विविध कार्यक्रम

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय की इंस्टीट्यूशंस इन्नोवेशन काउन्सिल (आईआईसी) एंव स्कूल ऑफ साइंसेज के संयुक्त तत्वावधान में ''राष्ट्रीय विज्ञान दिवस'' मनाए जाने के अंतर्गत ''विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व हेतु भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना'' की थीम पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों के प्रति युवाओं में अभिरुचि जगानी होगी, ताकि विद्यार्थी विज्ञान के क्षेत्र में कुछ नया कर सकें। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने कहा कि दो दिनों तक चले इस कार्यक्रम के पहले दिन विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगोली बनाकर युवाओं को विकसित भारत बनाने में साइंस एण्ड इनोवेशन की भूमिका का संदेश दिया, जिसमें विद्यार्थियों ने कई मनमोहक आकृतियां बनायी। इसके अतिरिक एक पुष्प प्रदर्शिनी का भी आयोजन किया गया, जिसे दर्शकों ने काफी सराहा। वहीं कार्यक्रम के दूसरे दिन मॉडल, आर्ट एण्ड क्राफ्ट प्रदर्शनी, पोस्टर्स प्रदर्शिनी आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल के फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. अशोक कुमार, डॉ. तृप्ति पांडेय, डॉ. रिद्धि गर्ग, डॉ. सारिका अरोरा, डॉ. रो. हित कुमार, डॉ. स्मिता ज्योति, डॉ. नरेन्द्र कुमार, डॉ. संजय यादव, डॉ. गौरव हवाडिया समेत विश्वविद्यालय

के विभिन्न संकायों के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 85 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मिस पायल सिंह, मिस संध्या शर्मा, डॉ. निधि तिवारी, डॉ. पूजा नारंग एवं श्रीमती रूचि चौधरी आदि का विशेष योगदान रहा।

आईएफटीएम में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाए जाने के अंतर्गत आयोजित हुए विविध कार्यक्रम

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय की इंस्टीट्यूशंस इन्नोवेशन काउन्सिल (आईआईसी) एंव स्कूल ऑफ साइंसेज के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाए जाने के अंतर्गत विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व हेतु भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना की थीम पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों के प्रति युवाओं में अभिरुचि जगानी होगी, ताकि विद्यार्थी विज्ञान के क्षेत्र में कुछ नया कर सकें। कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने कहा कि दो दिनों तक चले इस कार्यक्रम के पहले दिन विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगोली बनाकर युवाओं को विकसित भारत बनाने में साइंस एण्ड इनोवेशन की भूमिका का संदेश दिया, जिसमें विद्यार्थियों ने कई मनमोहक आकृतियां बनायी। इसके अतिरिक एक पुष्प प्रदर्शिनी का भी आयोजन किया गया, जिसे दर्शकों ने काफी सराहा। वहीं कार्यक्रम के दूसरे दिन मॉडल, आर्ट एण्ड क्राफ्ट प्रदर्शनी, पोस्टर्स प्रदर्शिनी आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रो. बी.के. सिंह ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि युवाओं को विज्ञान में इनोवेशन के माध्यम से नई पहचान मिल सकती है। आईआईसी के अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार ने ह्यसाइंस का टैक्नोलोजी में योगदानह्व शीर्षक पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। वहीं केमिस्ट्री विभाग के वरिष्ठ शिक्षक प्रो. एस.डी. शर्मा एवं गणित विभाग के प्रो. बी.पी. पाण्डेय समेत विभिन्न संकायों के विभागाध्यक्षों ने भी अपने-अपने विचार साझा किये। कार्यक्रम के दौरान स्कूल के फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. अशोक कुमार, डॉ. तृप्ति पांडेय, डॉ. रिद्धि गर्ग, डॉ. सारिका अरोरा, डॉ. रोहित कुमार, डॉ. स्मिता ज्योति, डॉ. नरेन्द्र कुमार, डॉ. संजय यादव, डॉ. गौरव हवाडिया समेत विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 85 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मिस पायल सिंह, मिस संध्या शर्मा, डॉ. निधि तिवारी, डॉ. पूजा नारंग एवं श्रीमती रूचि चैधरी आदि का विशेष योगदान रहा।

आईएफटीएम में दो दिवसीय 5वां किसान मेला सुहावन- 2025 का हुआ आगाज

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग की ओर से दो दिवसीय 5वां किसान मेला सुहावन- 2025 का बुधवार को आगाज हुआ। मुख्य अतिथि व डिप्टी डायरेक्टर कृषि, इंजीनियर संतोष कुमार द्विवेदी, विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल. प्रतिकलपति- एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी,एवं जुबिलेंट कृषि विकास समिति के संस्थापक डॉ. दीपक मेहंदीरता ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्पण एवं फीता काटकर किसान मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने किसान मेले के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि किसानों की सहायता के लिए हम सभी सदैव तत्पर हैं, साथ ही किसानों को फसल उत्पादन के साथ-साथ व्यावसायिक दृष्टिकोण भी अपनाना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह किसान मेला किसान और कृषि से जुड़े सभी विद्यार्थियों और आमजन के लिए भी बहुत लाभदायक सिद्ध होगा। इसके उपरांत मेले में आए मुख्य अतिथि इंजीनियर संतोष द्विवेदी ने कहा कि किसान भाईयों को जैविक खेती पर सबसे ज्यादा ध्यान देना चाहिए, क्योंकि आज के समय में बाजार में जैविक उत्पादों की काफी मांग है। साथ ही उन्होंनें किसानों को जीवामृत बनाने के बारे में भी विशेष जानकारी प्रदान की। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की ओर से प्रतीक-चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। किसान मेले में आए जिला कृषि अधिकारी डॉ. राजेंद्र मौर्य, जिला भूमि संरक्षण अधिकारी डॉ. योगेन्द्र कुमार समेत अन्य अधिकारियों ने किसानों के साथ अपने विचार साझा किए। मेले में लगे विभिन्न प्रकार के लगभग 40 स्टॉल्स में पौध नर्सरी, अचार, जैविक उत्पाद, शहद, फर्टिलाइजर, बीज, ट्रैक्टर और कार आदि के स्टाल्स शामिल थे। सभी स्टाल्स द्वारा मेले में उपस्थित विद्यार्थियों एवं किसानों को अपने-अपने उत्पादों के संचालन बारे में अति महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन स्कूल के शिक्षक डॉ. ए.एन. चौबे ने किया। मेले में दोपहर के सत्र में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। दोपहर के सत्र में दूर दराज से आए किसान उद्यमियों ने अपने-अपने उत्पाद और स्टार्टअप के बारे में जानकारी प्रदान की। इसके उपरांत कंपनियों से आए हुए विषय विशेषज्ञों ने को उन्नत उत्पादन तकनीकों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई, ताकि वे अपने उत्पादों से अधिक से अधिक लाभ ले सकें। अंत में वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. यशवीर सिंह एवं एग्रीकल्चर साइंसेज एंड एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल ने सभी के प्रति धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में दो दिवसीय 5वां किसान मेला सुहावन- 2025 हुआ सफलतापूर्वक सम्पन्न

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग की ओर से दो दिवसीय 5वां किसान मेला सुहावन- 2025 सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। किसान मेले में दूसरे दिन भी विभिन्न प्रकार के स्टॉल्स जैसे कि पौध नर्सरी, अचार, जैविक, शहद, फर्टिलाइजर, बीज, ट्रैक्टर और कार आदि के कुल 40 स्टाल्स द्वारा मेले में उपस्थित विद्यार्थियों एवं किसानों को अपने-अपने उत्पादों के संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गईं। इस मेले का मुख्य उद्देश्य कृषि के क्षेत्र में नवीनतम, तकनीक और आधुनिक संसाधनों की जानकारी तथा नवाचारों को किसानों और विद्यार्थियों तक पहुंचाना था। मेले में विशेषज्ञों द्वारा कृषि संरक्षण, जैविक खेती जल संरक्षण, ड्रिप इरीगेशन और कृषि तकनीक पर विशेष व्याख्यान दिए गए। साथ ही किसानों को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं और अनुदानों की जानकारी दी गई। इस आयोजन में कृषि से जुड़े रोजगार के अवसरों, कृषि उद्यमिता और एफपीओ की जानकारी दी गई, ताकि विद्यार्थी इस क्षेत्र में अपना कैरियर बना सके। मेले में आए किसानों ने खेती से संबंधित अपने अनुभव साझा किए और नई तकनीक को अपनाने की इच्छा भी जताई। मेले में खेती उपकरणों जैसे ड्रोन सिस्टम, जैविक खाद और ऑर्गेनिक फूड, प्रोडक्ट ऑर्गेनिक कलर, पशुपालन और उद्यानिकी से संबंधित विभिन्न स्टाल लगाए गए, जिनके माध्यम से किसानों और विद्यार्थियों को उचित मार्गदर्शन मिला। इस किसान मेले के आयोजन में विद्यार्थियों की कृषि के क्षेत्र में अपना करियर बनाने और स्वरोजगार को समझने का अवसर मिला। किसान मेले के दूसरे दिवस के दूसरे सत्र में ड्रोन का प्रैक्टिकल डेमोंसट्रेशन दिखाया गया, जिसमें उद्यमकर्ता विद्यार्थियों और विद्यार्थियों को ड्रोन के माध्यम से फर्टिलाइजर, पेस्टिसाइड, खपतवार नाशक का घोल बनाकर खेतों में इसके छिड़काव के बारे में बताया गया।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने मुख्य अतिथि संयुक्त निदेशक कृषि, मुरादाबाद मंडल श्री जीवन प्रकाश का बुके एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में किसानों एवं बच्चों को स्टार्टअप के बारे में जानकारी दी। उन्होंने उद्यमिता बढ़ाने की दिशा में किसानों एवं विद्यार्थियों का ध्यान केंद्रित करते हुए बताया कि आज के समय में संभावनाओं की कमी नहीं है। साथ ही उन्होंने आईएफटीएम के इनक्यूबेशन सेंटर के बारे में भी बताया कि वह किस तरह से किसान भाइयों के लिए काम करता है। इस दौरान संयुक्त निदेशक कृषि, श्री प्रकाश ने अनेक सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि खेत तालाब योजना के अंतर्गत किसानों को तालाब खुदवान के लिए सब्सिडी दी जाती है। उन्होंने किसान समृद्धि योजना पर प्रकाश डालते हुए गन्ने की पराली नहीं जलाने व खेतों की मेड़बंदी की राय दी। इसके अलावा डॉ. दीपक कुमार ने सरकार द्वारा चलाई जा रही मुख्य योजनाओं जैसे आईसीडीपी, एनएफ बीज वितरण के बारे में भी किसान भाइयों के साथ विस्तृत जानकारी साझा की। कार्यक्रम के समापन में एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश पाल ने सभी मुख्य अतिथियों, विश्वविद्यालय के अधिकारीगणों, सभी कंपनियों के आए प्रतिनिधियों, फैकेल्टी मैम्बर्स, किसानों, मीडिया एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। वि0

आईएफटीएम में हुआ पराक्रम- अंतर विद्यालय टेक्नो-मैनेजमेंट सांस्कृतिक उत्सव का शुभारंभ

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स डेवलेपमेंट सेल की ओर से दो दिवसीय पराक्रम- अंतर विद्यालय टेक्नो-मैनेजमेंट सांस्कृतिक उत्सव का बुधवार को शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्पण एवं फीता काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रो. अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि युवाओं की प्रतिभा निखारने के लिए इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन नियमित रूप से होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि हमें विद्यार्थियों को मार्केट की डिमांड के अनुरूप तैयार करना होगा। कार्यक्रम के दौरान प्रतिकुलपति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति-एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग प्रो. अरुण कुमार मिश्रा, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. आर.के. यादव एवं विभिन्न स्कूलों के निदेशकों ने विद्यार्थियों द्वारा दी गई प्रस्तुतियों को काफी सराहा। कार्यक्रम की अध्यक्षा एवं स्कूल की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने अतिथियों को बुके और प्रतीक-चिन्ह भेंट कर सभी का स्वागत किया। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में आयोजित हो रही 14 प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 125 से अधिक विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर कर प्रतिभाग कर रहे हैं। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. आरती गर्ग ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि दो दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम पराक्रम में नुक्कड़ नाटक, सोलो सिंगिंग, हेयर स्टाइलिंग, सोलो डांसिंग, स्टैंडअप कॉमेडी, शॉर्ट फिल्म, आर्टिस्ट्री दैट शाइन ऑन एवरी फेस, नेल आर्ट, लोगो डिजाइनिंग, एडवरटाइजिंग कैपेन, सुडोकू/स्पेलिंग बी, स्टोरी टेलिंग, बेस्ट ऑफ वेस्ट, टी शर्ट डेकोरेशन आदि प्रतियोगिताओं में विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में आयोजन समिति के सभी सदस्यों डॉ निधि चैधरी, मिस ज्योति, डॉ. अर्चना, अक्षय शर्मा आदि की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम के दौरान के विभाग के शिक्षक प्रो. मेघा भाटिया, प्रो. हिमांशु गुप्ता, डॉ आशीष कुमार सक्सेना समेत विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक व भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

amarujala.com

मुरादाबाद | शुक्रवार, 7 मार्च 2025

5

टेक्नो मैनेजमेंट उत्सव में एसबीएम की टीम अव्वल

अमर उजाला ब्यूरो

आईएफटीएम में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की ओर से किया गया आयोजन

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की ओर से दो दिवसीय अंतर विद्यालय टेक्नो मैनेजमेंट सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम को पराक्रम की संज्ञा दी गई। कार्यक्रम में आयोजित 14 प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 125 विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर कर हिस्सा लिया।

इसमें नुक्कड़ नाटक, सोलो सिंगिंग, हेयर स्टाइलिंग, सोलो डांसिंग, स्टैंडअप कॉमेडी, शॉर्ट फिल्म, आर्टिस्ट्री दैट शाइन ऑन एवरी फेस, नेल आर्ट, लोगो डिजायनिग, एडवरटाइजिंग कैंपेन, सुडोकू स्पेलिंग बी, स्टोरी टेलिंग, बेस्ट ऑफ वेस्ट, टी शर्ट डेकोरेशन आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

स्कूल ऑफ साइंसेज की टीम को चार, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग की टीम को दो, स्कूल ऑफ लॉ की टीम को एक, स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस व यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की टीम को एक-एक पदक प्राप्त हुआ।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सभी विजेता विद्यार्थियों को मेडल और प्रमाणपत्र वितरित कर सम्मानित किया। कुलसचिव प्रो. अग्रवाल ने कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थियों की प्रतिमा निखरती है।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा, स्कूल की निर्देशिका प्रो. निशा अग्रवाल,

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में नेशनल फार्मेसी एजुकेशन डे 2025 का हुआ आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ फामेर्सी की ओर से नेशनल फामेर्सी एजुकेशन डे 2025 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में फामेर्सी शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि व मुरादाबाद जनपद की ड्रग इंस्पेक्टर श्रीमती उर्मिला वर्मा ने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में फार्मासिस्टों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। ड्रग इंस्पेक्टर श्रीमती वर्मा ने छात्र छात्राओं को फामेर्सी में करियर के विषय में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि फामेर्सी का कोर्स करने के बाद बहुत सी संभावनाएं हैं। फामेर्सी का विद्यार्थी सफलता पूर्वक कोर्स करने के बाद ड्रग इंस्पेक्टर, फार्मेसिस्ट, एम. आर. सहित कई मल्टीनेशनल कंपनियों में अनेक पदों पर कार्य कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जितने भी सरकारी एवं गैरसरकारी हॉस्पिटल हैं सभी में फार्मेसिस्ट की भर्ती होती है। साथ ही वे अपना खुद का व्यवसाय भी शुरू कर सकते हैं।

फामेर्सी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा ने श्रीमती वर्मा को बुके और प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। प्रो. वर्मा ने बताया कि प्रोफेसर एम. एल. शर्राफ के जन्म-जयंती के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष 6 मार्च को पूरे देश में नेशनल फामेर्सी एजुकेशन डे मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रोफेसर शर्राफ द्वारा बनारस हिंदू विश्वविद्यालय बनारस में बी. फार्मा. कोर्स को शुरू करने का प्रयास किया गया था और वहाँ इस कोर्स को शुरू भी किया उन्होंने कहा कि प्रोफेसर शर्राफ के फामेर्सी के योगदान को पूरा देश याद करता है और उन्हें नमन करता है। कार्यक्रम के आयोजन सचिव प्रो. अरुण कुमार मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आईएफटीएम विश्वविद्यालय पिछले तीन दशक से फामेर्सी शिक्षा के क्षेत्र में अपना विशेष योगदान दे रहा है। प्रो. मिश्रा ने कहा कि भारत में फामेर्सी के प्रोफेसर महादेव लाल शर्राफ पूरे देश में फार्मासिस्टों के लिए प्रेरणा का एक निरंतर स्रोत हैं। उन्होंने भारत में फार्मास्युटिकल शिक्षा और इसके वैज्ञानिक और तकनीकी पहलुओं की उन्नति के लिए जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अंत में कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुशील कुमार ने सभी का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. श्वेता वर्मा, डॉ. शाहबाज खान, डॉ. अलंकार श्रीवास्तव का सहयोग रहा। इस अवसर पर फामेर्सी संकाय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे। वि0

आईएफटीएम में हेल्थ केयर विषय पर हुआ सेमिनार

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में आईएफटीएम यूनिवर्सिटी एलुमनाई एसोसिएशन (आईयूएए) और फैकल्टी ऑफ फार्मेसी के संयुक्त प्रावधान में "इंटरसेक्शन ऑफ फार्मेसी एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: शेपिंग फ्यूचर ऑफ हेल्थ केयर" विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। सेमिनार में विश्वविद्यालय के बी.फार्म- 2003 बैच की पूर्व छात्रा व वर्तमान में 'विला कॉलेज फैकल्टी ऑफ हेल्थ साइंसेज, माले, मालदीव्स में कार्यरत डॉ. मोनिका अरोड़ा मुख्य वक्ता रहीं। मुख्य वक्ता डॉ. अरोड़ा ने अपने वक्तव्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फार्मेसी के साथ होने वाली रिसर्च पर जोर देते हुए सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन किया। वहीं कार्यक्रम के अध्यक्ष व फार्मेसी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा, आयोजन सचिव और स्कूल आफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के निदेशक प्रो. सुशील कुमार एवं कार्यक्रम के संयोजक व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा ने भी व्याख्यान के उक्त विषय पर आधारित अपने-अपने विचारों को व्यक्त किया।

इस मौके पर आईयूएए के अध्यक्ष व परीक्षा नियंत्रक प्रो अनुज श्रीवास्तव ने एलुमिना व मुख्य वक्ता डॉ. अरोड़ा को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। साथ ही उन्होंने सेमिनार के दौरान अति महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराने हेतु एलुमिना व मुख्य वक्ता डॉ. मोनिका अरोड़ा की सराहना भी की। फार्मेसी संकाय के डीन प्रो. वर्मा ने

विद्यार्थियों को सेमिनार के दौरान प्राप्त की गई जानकारियों को आत्मसात करने की सलाह दी। कार्यक्रम का संचालन मिस रितिका द्वारा किया गया। सेमिनार के सफल आयोजन में फार्मेसी संकाय के एलुमनाई समन्वयक डॉ. श्वेता वर्मा, डॉ. हरप्रीत सिंह, डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. अलंकार श्रीवास्तव एवं मिस अंजलि की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस सेमिनार में फार्मेसी संकाय के बी.फॉर्म और एम.फार्म के 100 अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

आईएफटीएम में विश्व वन्यजीव दिवस के उपलक्ष्य में हुआ वृक्षारोपण एवं जागरूकता रैली का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी और मेंटरिंग एंड काउंसलिंग सेल के संयुक्त तत्वावधान में विश्व वन्यजीव दिवस के उपलक्ष में वृक्षारोपण एवं जागरूकता रैली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए ग्राम पल्लूपुरा घोसी गाँव के प्राथमिक विद्यालय में किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने यह भी कहा कि धरती पर मानव जीवन के अस्तित्व को बनाये रखने के लिए वन्यजीवों तथा पेड़-पौधों की उपस्थिति अनिवार्य है। दुनिया के जंगली जानवरों और पौधों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उनके सामने आने वाले खतरों पर चर्चा करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में पल्लूपुरा घोसी गाँव के प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के शिक्षक, शिक्षिकाओं समेत 50 से अधिक विद्यार्थियों प्रतिभाग किया। इस दौरान कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने वर्तमान परिदृश्य में वृक्षों की आवश्यकता और लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वृक्षों के बिना जीवन की कल्पना करना असंभव है। वृक्षों को लगाने से आसपास का वातावरण शुद्ध होता है तथा वृक्ष आसपास की गर्मी को सोख लेते हैं, जिससे वातावरण में ठंडक रहती है। कार्यक्रम का संचालन मेंटरिंग एंड काउंसलिंग सेल के समन्वयक संजय सिंह ने किया।

उन्होंने छात्र-छात्राओं को पेड़ों के महत्व के बारे में जागरूक करते हुए कहा कि पेड़ हमें शुद्ध हवा, फल, फूल और भोजन प्रदान करते हैं, जिससे हमारा जीवन जीने योग्य बनता है। उन्होंने यह भी बताया कि पेड़ वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को नियंत्रित करते हैं और आक्सीजन का स्तर बढ़ाते हैं, जिससे प्रदूषण कम होता है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के शिक्षकों मृगेंद्र अंब, नदीम अहमद, सुश्री रिम्पी छाबड़ा, प्रेम प्रकाश एवं रवि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाए जाने के अंतर्गत हुआ सेमिनार का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में गर्ल्स हेल्थ क्लब एवं इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मनाए जाने के अंतर्गत एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पूरे विश्व के विकास में महिलाओं की अहम् भूमिका है। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं को उचित सम्मान और मार्गदर्शन देना हम सभी का कर्तव्य है। कार्यक्रम की अध्यक्षा व स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो निशा अग्रवाल ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि महिलाएं घर संभालने के साथ-साथ व्यवसायिक जीवन में भी अपना परचम लहरा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि समाज की ओर से महिलाओं को शिक्षित करने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए निरंतर प्रयास करने होंगे। सेमिनार के दौरान विश्वविद्यालय में विशिष्ट सेवा हेतु सम्मानित हुई महिला कर्मियों में कार्यालय सहायक सुश्री ममता पंत, सुश्री सोमा मंडल, सुश्री सिल्की जॉनसन, सुश्री मोनिका, श्रीमती स्वाति देवी, पुस्तकालय सहायक श्रीमती सुषमा शर्मा, श्रीमती सुनीता पांडे, सुश्री कविता श्रीवास्तव, लैब टेक्नीशियन सुश्री कनिष्का ठाकुर, पुस्तकालय परिचारिका श्रीमती तरनजीत कौर, साइट केयर टेकर श्रीमती शीला मिश्रा, सुरक्षा कर्मी सुश्री ममता गुप्ता, बालिका छात्रावास केयर टेकर- श्रीमती रूमा सिंह एवं केयर टेकर-चिल्ड्रेन्स डे केयर सेंटर श्रीमती अमिता शामिल रहीं, जिन्हें प्रतीक-चिन्ह भेंटकर सम्मनित किया गया तथा उनकी सक्सेस स्टोरी भी सभी के मध्य शेयर की गई।

इस मौके पर प्रतिकुलपति-एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी ने महिला कर्मियों तथा छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में अपने कौशल का प्रदर्शन कर रही हैं, जिनमें शिक्षा सेवा, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी और कई अन्य क्षेत्रों में उनका योगदान बेहद खास है। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना जागृत करने हेतु आज के युवाओं को जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में गर्ल्स हेल्थ क्लब की सदस्या डॉ. स्वाति राय, डॉ. मेघा भाटिया एवं डॉ. आरती गर्ग की विशेष भूमिका रही। उक्त सेमिनार में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 100 से अधिक महिला कर्मियों एवं छात्राओं ने अत्यंत उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। वि0

आईएफटीएम के स्कूल आफ लॉ की ओर से हुआ विधिक जागरूकता रैली का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ की ओर से विश्वविद्यालय के द्वारा गोद लिये गए ग्राम धनुपुरा में विधिक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसाचिव प्रो संजीव अग्रवाल ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रो. अग्रवाल ने अपने वक्तव्य में कहा कि सामाजिक न्याय की अवधारणा अभी भी ग्रामीण परिवेश में बहुत कम चलन में है, फिर भी ग्रामीण जनमानस इसके प्रति सचेत होने लगा है। उन्होंने यह भी कहा कि समाज के उत्थान के लिए महिला सशक्तिकरण की ओर सजगता के साथ आगे बढ़ते हुए हमें उनके सर्वांगिक विकास के लिए अथक प्रयास करना है। रैली में विद्यार्थियों ने नारी सशक्तिकरण के सम्बन्ध में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं नारी का सम्मान करो, बेटा बेटी एक सामान सशक्त नारी सशक्त समाज... आदि उद्घोषणाओं का प्रदर्शन करते हुए ग्रामीणों के साथ विधिक जानकारी साझा की। विधि के विद्यार्थियों ने ग्रामीणों के साथ-साथ प्राथमिक पाठशाला के शिक्षक व विद्यार्थियों के साथ भी चर्चा कर-के विद्यार्थियों के मौलिक अधिकारों एवं मिड डे मील से सम्बंधित विधिक जानकारी साझा की। इस मौके पर स्कूल ऑफ लॉ के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेंद्र सिंह ने कहा कि विधि पठन-पाठन के साथ-साथ विधि का व्यवहारिक ज्ञान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस तरह के कार्यक्रम ग्रामीण परिवेशों में आयोजित किए जाते रहे हैं। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थी आने वाले वाद-विवादों को सहजता के साथ उसका निवारण करने की क्षमता विकसित कर सकें। रैली में स्कूल ऑफ लॉ के 34 विद्यार्थियों ने भाग लिया एवं अपने अनुभवों को अन्य विद्यार्थियों के साथ साझा किया। स्कूल ऑफ लॉ के फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. उदय वीर सिंह, डॉ. मनीषा माटोलिया, दिनेश सिंह सागर एवं अनुप्रास रजत के कुशल निर्देशन में रैली का सफल आयोजन संपन्न हुआ।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल आफ लॉ की ओर से हुआ विधिक जागरूकता रैली का आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ की ओर से विश्वविद्यालय के द्वारा गोद लिये गए ग्राम धनुपुरा में विधिक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसाचिव प्रो संजीव अग्रवाल ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रो. अग्रवाल ने अपने वक्तव्य में कहा कि समाजिक न्याय की अवधारणा अभी भी ग्रामीण परिवेश में बहुत कम चलन में है, फिर भी ग्रामीण जनमानस इसके प्रति सचेत होने लगा है। उन्होंने यह भी कहा कि समाज के उत्थान के लिए महिला सशक्तिकरण की ओर सजगता के साथ आगे बढ़ते हुए हमें उनके सर्वांगिक विकास के लिए अथक प्रयास करना है। रैली में विद्यार्थियों ने नारी सशक्तिकरण के सम्बन्ध में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं नारी का सम्मान करो, बेटा बेटी एक सामान सशक्त नारी सशक्त समाज... आदि उद्घोषणाओं का प्रदर्शन करते हुए ग्रामीणों के साथ विधिक जानकारी साझा की। विधि के विद्यार्थियों ने ग्रामीणों के साथ-साथ प्राथमिक पाठशाला के शिक्षक व विद्यार्थियों के साथ भी चर्चा करके विद्यार्थियों के मौलिक अधिकारों एवं मिड डे मील से सम्बंधित विधिक जानकारी साझा की। इस मौके पर स्कूल ऑफ लॉ के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेंद्र सिंह ने कहा कि विधि पठन-पाठन के साथ-साथ विधि का व्यवाहरिक ज्ञान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस तरह के कार्यक्रम ग्रामीण परिवेशों में आयोजित किए जाते रहे हैं। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थी आने वाले वाद-विवादों को सहजता के साथ उसका निवारण करने की क्षमता विकसित कर सकें। रैली में स्कूल ऑफ लॉ के 34 विद्यार्थियों ने भाग लिया एवं अपने अनुभवों को अन्य विद्यार्थियों के साथ साझा किया। स्कूल ऑफ लॉ के फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. उदय वीर सिंह, डॉ. मनीषा माटोलिया, श्री दिनेश सिंह सागर एवं श्री अनुप्रास रजत के कुशल निर्देशन में रैली का सफल आयोजन संपन्न हुआ। एजेंसी

आईएफटीएम की शिक्षिकाओं डा. नेहा शर्मा व डा. पूजा गुप्ता की पुस्तक का विमोचन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के शिक्षा विभाग की शिक्षिका डॉ. नेहा शर्मा और अर्थशास्त्र विभाग की शिक्षिका डॉ. पूजा गुप्ता द्वारा संयुक्त रूप से लिखी पुस्तक ''गाइडेंस एंड काउंसलिंग'' का विश्व. विद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय के कर-कमलों द्वारा विमोचन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. पाण्डेय ने डॉ. शर्मा और डॉ. गुप्ता को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने यह भी कहा कि यह पुस्तक शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। इस मौके पर उपस्थित कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने डॉ. शर्मा और डॉ. गुप्ता की लिखी इस पुस्तक की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पुस्तक मार्गदर्शन और परामर्श से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। वहीं प्रतिकुल. पति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति- एकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने दोनों शिक्षिकाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पुस्तक लेखन में और शिक्षकों को भी आगे आना चाहिए। इस मौके पर स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निदेशक प्रो. मोहन लाल 'आर्य' ने भी दोनों शिक्षिकाओं को बधाई देते हुए कहा कि पुस्तकें मार्गदर्शन का काम करने के साथ ही नए शिक्षकों को भी पुस्तक लेखन हेतु प्रेरित करती हैं। डॉ. शर्मा और डॉ. गुप्ता ने जानकारी दी कि उनकी इस पुस्तक का प्रकाशन आजमगढ़, उत्तर प्रदेश के 'कालिंदी प्रकाशन' ने किया है।

360/- रुपए मूल्य वाली इस पुस्तक में कुल 13 अध्याय हैं, जिनमें मार्गदर्शन और परामर्श के विभिन्न पहलुओं को सारगर्भित तरीके से वर्णित किया गया है। उन्होंने बताया कि यह पुस्तक बिक्री के लिए देश विभिन्न बुक स्टालों के अलावा अमेजन एवं फ्लिपकार्ट पर भी उपलब्ध रहेगी। अध्यापन के क्षेत्र में डॉ. शर्मा का 5 वर्ष और डॉ. गुप्ता का 8 वर्ष का लंबा अनुभव है। इसके साथ ही उनके अनेक शोध पत्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। डॉ. शर्मा ने 27 तथा डॉ. गुप्ता 26 से अधिक राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाओं व संगोष्ठियों में प्रतिभाग कर चुकी हैं। वर्तमान में डॉ. शर्मा के निर्देशन में 5 शोधार्थी और डॉ. गुप्ता के निर्देशन में 2 शोधार्थी शोध कर रहे हैं। डॉ. गुप्ता ने बताया कि उनके द्वारा संपादित इस पुस्तक में शिक्षा विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. बिंदु सिंह, डॉ. निं. कता यादव और श्री सचिन कुमार का विशेष योगदान रहा। डॉ. शर्मा और डॉ. गुप्ता की इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के निदेशकों व शिक्षकों ने भी उन्हें बधाई दी है।

आईएफटीएम की शिक्षिकाओं डॉ. नेहा शर्मा एवं डॉ. पूजा गुप्ता की पुस्तक का हुआ विमोचन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के शिक्षा विभाग की शिक्षिका डॉ. नेहा शर्मा और अर्थशास्त्र विभाग की शिक्षिका डॉ. पूजा गुप्ता द्वारा संयुक्त रूप से लिखी पुस्तक गाइडेंस एंड काउंसलिंग का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय के कर-कमलों द्वारा विमोचन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. पाण्डेय ने डॉ. शर्मा और डॉ. गुप्ता को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने यह भी कहा कि यह पुस्तक शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। इस मौके पर उपस्थित कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने डॉ. शर्मा और डॉ. गुप्ता की लिखी इस पुस्तक की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पुस्तक मार्गदर्शन और परामर्श से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। वहीं प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति- एकेडेमिक्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा ने दोनों शिक्षिकाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पुस्तक लेखन में और शिक्षकों को भी आगे आना चाहिए। इस मौके पर स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निदेशक प्रो. मोहन लाल आर्य ने भी दोनों शिक्षिकाओं को बधाई देते हुए कहा कि पुस्तकें मार्गदर्शन का काम करने के साथ ही नए शिक्षकों को भी पुस्तक लेखन हेतु प्रेरित करती हैं। डॉ. शर्मा और डॉ. गुप्ता ने जानकारी दी कि उनकी इस पुस्तक का प्रकाशन आजमगढ़, उत्तर प्रदेश के कालिंदी प्रकाशन ने किया है। 360/- रुपए मूल्य वाली इस पुस्तक में कुल 13 अध्याय हैं, जिनमें मार्गदर्शन और परामर्श के विभिन्न पहलुओं को सारगर्भित तरीके से वर्णित किया गया है। उन्होंने बताया कि यह पुस्तक बिक्री के लिए देश विभिन्न बुक स्टालों के अलावा अमेजन एवं फ्लिपकार्ट पर भी उपलब्ध रहेगी। अध्यापन के क्षेत्र में डॉ. शर्मा का 5 वर्ष और डॉ. गुप्ता का 8 वर्ष का लंबा अनुभव है। इसके साथ ही उनके अनेक शोध पत्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। डॉ. शर्मा ने 27 तथा डॉ. गुप्ता 26 से अधिक राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाओं व संगोष्ठियों में प्रतिभाग कर चुकी हैं। वर्तमान में डॉ. शर्मा के निर्देशन में 5 शोधार्थी और डॉ. गुप्ता के निर्देशन में 2 शोधार्थी शोध कर रहे हैं। डॉ. गुप्ता ने बताया कि उनके द्वारा संपादित इस पुस्तक में शिक्षा विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. बिंदु सिंह, डॉ. निकिता यादव और श्री सचिन कुमार का विशेष योगदान रहा। डॉ. शर्मा और डॉ. गुप्ता की इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के निदेशकों व शिक्षकों ने भी उन्हें बधाई दी है।

आईएफटीएम में होली पर्व के उपलक्ष्य में हुआ 'होली सह भोज' कार्यक्रम का आयोजन

प्राह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के डिपार्टमेंट ऑफ होटल मैनेजमेंट एण्ड कैटरिंग टेक्नोलॉजी की ओर से होली पर्व के उपलक्ष्य में हुआ ''होली भोज'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में होटल मैनेजमेंट पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्र- छात्राओं ने होली पर्व से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के विशेष व्यंजन तैयार किए। इस अवसर पर विश्व. विद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल ने इस भव्य भोज आयोजन की सराहना करते हुए होटल मैनेजमेंट के विद्यार्थियों को होली एवं उनके उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं। विश्व विद्यालय के प्रतिकुलाधिपति श्री अभिनव कोठीवाल ने भी विश्वविद्यालय के समस्त स्टाफ और छात्र-छात्राओं को होली की शुभकामनाएं दीं। वहीं कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए होली के पावन उत्सव पर आयोजित सह भोज कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि होली आपसी प्रेम और भाई चारे को बढ़ावा देने वाला त्यौहार है। इस दिन सभी लोग अपने पुराने गिले-शि. कवे भूलकर एक दूसरे के गले लग कर उनके कुशलता और खुशमय जीवन की कामना करते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी लोग सुरक्षित तरीके से संयमित होकर होली का त्यौहार मनाते हुए एक दूसरे की भावना का भी ख्याल रखें। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा व कौशल को निखारते हैं। इस मौके पर स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने कहा कि हमारा प्रयास है कि हम सभी विद्यार्थियों को इंडस्ट्री की डिमांड के अनुसार तैयार करें। इस दौरान विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल मिश्रा, प्रतिकुलपति- एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा, निदेशक आई. क्यू.ए.सी, प्रो. राकेश कुमार यादव, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. अरुण कुमार मिश्रा, चीफ प्रॉक्टर डॉ. हरप्रीत सिंह समेत विश्व. विद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, समस्त प्रशासनिक अधिकारियों व शिक्षकों ने भी कार्यक्रम में पूरे उत्साह के साथ शामिल हुए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. हिमांशु गुप्ता, डॉ. स्वाति राय, डॉ. आरती गर्ग, श्री विकास शर्मा, सुश्री तनुजा शर्मा, श्री मोहित कुमार एवं श्री लक्ष्मण सिंह आदि स्कूल के फैकल्टी मेम्बर्स का विशेष योगदान रहा। यह कार्यक्रम होटल मैनेजमेंट की विभागाध्यक्षा डॉ. मेघा भाटिया के कुशल निर्देशन में स्वादिष्ट व्यंजनों सहित देर सारी मौज-मस्ती, हंसी के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

आईएफटीएम में होली पर्व के उपलक्ष्य में हुआ सह भोज कार्यक्रम का आयोजन

▷ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने होली की शुभकामनाएं देकर छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के डिपार्टमेंट ऑफ होटल मैनेजमेंट एण्ड कैटरिंग टेक्नोलॉजी की ओर से होली पर्व के उपलक्ष्य में हुआ होली भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में होटल मैनेजमेंट पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने होली पर्व से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार के विशेष व्यंजन तैयार किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने इस भव्य भोज आयोजन की सराहना करते हुए होटल मैनेजमेंट के विद्यार्थियों को होली एवं उनके उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं। विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति अभिनव कोठीवाल ने भी विश्वविद्यालय के समस्त स्टाफ और छात्र-छात्राओं को होली की शुभकामनाएं दीं। वहीं कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए होली के पावन उत्सव पर आयोजित सह भोज कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि होली आपसी प्रेम और भाई चारे को बढ़ावा देने वाला त्यौहार है। इस दिन सभी लोग अपने पुराने गिले-शिकवे भूलकर एक दूसरे के गले लग कर उनके कुशलता और खुशमय जीवन की कामना करते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी लोग सुरक्षित तरीके से संयमित होकर होली का त्यौहार मनाते हुए एक दूसरे की भावना का भी ख्याल रखें।

उन्होंने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा व कौशल को निखारते हैं। इस मौके पर स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका प्रो. निशा अग्रवाल ने कहा कि हमारा प्रयास है कि हम सभी विद्यार्थियों को इंडस्ट्री की डिमांड के अनुसार तैयार करें। इस दौरान विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल मिश्रा, प्रतिकुलपति- एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति- रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा, निदेशक आई.क्यू.ए.सी, प्रो. राकेश कुमार यादव, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. अरुण कुमार मिश्रा, चीफ प्रॉक्टर डॉ. हरप्रीत सिंह समेत विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, समस्त प्रशासनिक अधिकारियों व शिक्षकों ने भी कार्यक्रम में पूरे उत्साह के साथ शामिल हुए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. हिमांशु गुप्ता, डॉ. स्वाति राय, डॉ. आरती गर्ग, विकास शर्मा, सुश्री तनुजा शर्मा, मोहित कुमार एवं लक्ष्मण सिंह आदि स्कूल के फैकल्टी मैम्बर्स का विशेष योगदान रहा। यह कार्यक्रम होटल मैनेजमेंट की विभागाध्यक्षा डॉ. मेघा भाटिया के कुशल निर्देशन में स्वादिष्ट व्यंजनों सहित ढेर सारी मौज-मस्ती, हंसी के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

आईएफटीएम में टेकविज- 13 शीर्षक पर हुआ प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस की ओर से रिसेंट ट्रेंड्स इन टैक्नोलॉजीज थीम पर ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता टेकविज-13 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि आजकल नई तकनीकों से आम लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव आए हैं, जिसके फलस्वरूप रोजगार की दशा और दिशा दोनों बदल गई है। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थी नई तकनीकों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। वहीं स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के निदेशक प्रो. राहुल कुमार मिश्रा ने इस कार्यक्रम में आम लोगों के जीवन में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी पर हर्ष व्यक्त किया और प्रतिभागियों को नवीनतम तकनीकी प्रगति के साथ अपडेट रहने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं के प्रौद्योगिकी के हालिया रुझानों के बारे में ज्ञान को बढ़ावा देने के साथ ही तेजी से विकसित हो रहे डिजिटल परिदृश्य के बारे में जागरूकता को बढ़ावा रहा। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, साइबरसिक्यूरिटी, ब्लॉकचेन और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी उभरती हुई तकनीकों के बारे में जानकारी हासिल की। इस मौके पर कार्यक्रम के सह संयोजक व कंप्यूटर एप्लीकेशंस विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला ने कहा कि टेकविज- 13 जैसे आयोजन महत्वाकांक्षी तकनीकी पेशेवरों की जिज्ञासा को बढ़ावा देने और उनके कौशल को निखारने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संचालन में डॉ. शुक्ला और कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र कुमार की विशेष भूमिका रही । इस अवसर पर डॉ. अभिषेक मिश्रा, डॉ. मनीष रंजन पाण्डेय, डॉ. ललित जौहरी, डॉ. राजदीप सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अमित भटनागर, डॉ. शैली भारद्वाज, सुश्री ऋतू नागिला, सुगंध अहलावत आदि फैकल्टी मैम्बर्स समेत स्कूल के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 270 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में प्रोजेक्ट, मॉडल, पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता और प्रदर्शनी इनोवाटिका 2025 का हुआ आयोजन

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की ओर से प्रोजेक्ट, मॉडल, पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता और प्रदर्शनी इनोवाटिका 2025 का आयोजन किया गया, जिसमें यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के विद्यार्थियों ने शानदार पोस्टर और विज्ञान के मॉडल प्रदर्शित किये। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री राजीव कोठीवाल, कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय एवं कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्पण कर फीता काटकर किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री कोठीवाल ने प्रदर्शनी के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस दौर में नई तकनीकों के सहारे आगे बढ़ा जा सकता है। कुलाधिपति श्री कोठीवाल ने विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए करीब 40 प्रोजेक्ट, मॉडल और पोस्टरों का बारीकी से अवलोकन किया। प्रदर्शनी अवलोकन के दौरान कुलपति प्रो. पाण्डेय ने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित किए गए कई मॉडल्स अत्यंत सराहनीय हैं तथा उन प्रोजेक्ट्स को स्टार्टअप के रूप में आगे बढ़ाया जा सकता है। प्रदर्शनी में उपस्थित परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह, प्रतिकुलपति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति-एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति-रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा समेत विभिन्न स्कूलों के निदेशक व अन्य अतिथियों ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन कर विद्यार्थियों के द्वारा प्रदर्शित किए गए मॉडल्स की जमकर प्रशंसा की। उपस्थित अतिथियों ने भी विद्यार्थियों के रचनात्मक कौशल की सराहना करते हुए प्रदर्शनी की जमकर

तारीफ की। प्रोजेक्ट की श्रेणी में डिप्लोमा मैकेनिकल, तृतीय वर्ष के छात्र हर्ष, हिमांशु कुमार, गुड्डू सागर द्वारा बनाए गए वायरलेस इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग को प्रथम स्थान, डिप्लोमा इलेक्ट्रिकल, तृतीय वर्ष के छात्र अक्षय विश्नोई, नईम अहमद, मो. नजीर खान के द्वारा बनाए गए थ्री फेज ट्रांसमिशन लाइन को द्वितीय स्थान और डिप्लोमा मैकेनिकल, तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों अंजलि सागर, लकी कुमार, गौरव कुमार द्वारा बनाये गये स्मार्ट शेड क्लोथ्स लाइन एवं डिप्लोमा इलेक्ट्रिकल के छात्र प्रशांत कुमार, प्रदीप कुमार, राहुल प्रकाश, अवनीश कुमार द्वारा बनाए गए एलपीजी एवं अल्कोहल डिटेक्टर को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

वहीं मॉडल की श्रेणी में डिप्लोमा, सिविल तृतीय वर्ष के छात्र अब्दुल वाशीद, कौशेंद्र, मुशर्रफ अली द्वारा बनाए गए टावर ब्रिज को प्रथम स्थान, डिप्लोमा सिविल, द्वितीय वर्ष के ही आदर्श कुमार, अक्षय कुमार, अरजीत, रजत कुमार द्वारा बनाए गए वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को द्वितीय स्थान, डिप्लोमा इलेक्ट्रिकल द्वितीय वर्ष के छात्र लकी, चिराग पवार द्वारा बनाये गये न्यूक्लियर पावर प्लांट एवं डिप्लोमा सिविल, तृतीय वर्ष के अभिषेक, अंशुल कुमार, कप्तान सिंह द्वारा बनाये गये अर्थक्वेक रेजिस्टेंस बिल्डिंग को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। पोस्टर श्रेणी में डिप्लोमा, इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन, प्रथम वर्ष की छात्रा शालिनी, अभिनय चंद्रा द्वारा बनाये गये रेजिस्टेंस कलर कोड को प्रथम स्थान तथा डिप्लोमा कंप्यूटर साइंस द्वितीय वर्ष की संजुल शर्मा, सिमरन द्वारा बनाये गये डाटा बेस मैनेजमेंट सिस्टम को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। वहीं डिप्लोमा इलेक्ट्रिकल प्रथम वर्ष के छात्र नवनीत सिंह द्वारा बनाया गया बायोगैस प्लांट एवं डिप्लोमा कंप्यूटर साइंस द्वितीय वर्ष की अलका कौर, अंश जायसवाल द्वारा बनाये गये एडवांटेजेस ऑफ क्लाउड कंप्यूटिंग को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक एवं यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के निदेशक प्रो. वैभव त्रिवेदी ने इस आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रबंधन को धन्यवाद दिया और आयोजन समिति की प्रशंसा की। प्रदर्शनी की सह संयोजिका एवं यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की अपर निदेशिका डॉ. नीलू त्रिवेदी ने प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के समस्त विभागों के विभागाध्यक्षों डॉ. पुनीत खन्ना, अंकुर जैन, मयंक भारद्वाज, श्री महावीर सिंह रावत समेत समस्त शिक्षकगणों का विशेष योगदान रहा। वि0

आईएफटीएम में प्रोजेक्ट, मॉडल, पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता और प्रदर्शनी इनोवाटिका 2025 का हुआ आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की ओर से प्रोजेक्ट, मॉडल, पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता और प्रदर्शनी इनोवाटिका 2025 का आयोजन किया गया, जिसमें यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के विद्यार्थियों ने शानदार पोस्टर और विज्ञान के मॉडल प्रदर्शित किये। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल, कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय एवं कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन व पुष्पार्पण कर फीता काटकर किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री कोठीवाल ने प्रदर्शनी के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस दौर में नई तकनीकों के सहारे आगे बढ़ा जा सकता है। कुलाधिपति श्री कोठीवाल ने विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए करीब 40 प्रोजेक्ट, मॉडल और पोस्टरों का बारीकी से अवलोकन किया। प्रदर्शनी अवलोकन के दौरान कुलपति प्रो. पाण्डेय ने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित किए गए कई मॉडल्स अत्यंत सराहनीय हैं तथा उन प्रोजेक्ट्स को स्टार्टअप के रूप में आगे बढ़ाया जा सकता है। प्रदर्शनी में उपस्थित परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह, प्रतिकुलपति-एक्सटर्नल अफेयर्स प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रतिकुलपति-एकेडमिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रतिकुलपति-रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. नवनीत वर्मा समेत विभिन्न स्कूलों के निदेशक व अन्य अतिथियों ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन कर विद्यार्थियों के द्वारा प्रदर्शित किए गए मॉडल्स की जमकर प्रशंसा की। उपस्थित अतिथियों ने भी विद्यार्थियों के रचनात्मक कौशल की सराहना करते हुए प्रदर्शनी की जमकर तारीफ की। प्रोजेक्ट की श्रेणी में डिप्लोमा मैकेनिकल, तृतीय वर्ष के छात्र हर्ष, हिमांशु कुमार, गुड्डू सागर द्वारा बनाए गए वायरलेस इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग को प्रथम स्थान, डिप्लोमा इलेक्ट्रिकल, तृतीय वर्ष के छात्र अक्षय विश्नोई, नईम अहमद, मो. नजीर खान के द्वारा बनाए गए श्री फेज ट्रांसमिशन लाइन को द्वितीय स्थान और डिप्लोमा मैकेनिकल, तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों अंजलि सागर, लकी कुमार, गौरव कुमार द्वारा बनाये गये स्मार्ट शेड क्लोथ्स लाइन एवं डिप्लोमा इलेक्ट्रिकल के छात्र प्रशांत कुमार, प्रदीप कुमार, राहुल प्रकाश, अवनीश कुमार द्वारा बनाए गए एलपीजी एवं अल्कोहल डिटेक्टर को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वहीं मॉडल की श्रेणी में डिप्लोमा, सिविल तृतीय वर्ष के छात्र अब्दुल वाशीद, कौशेंद्र, मुशर्रफ अली द्वारा बनाए गए टावर ब्रिज को प्रथम स्थान, डिप्लोमा सिविल, द्वितीय वर्ष के ही आदर्श कुमार, अक्षय कुमार, अरजीत, रजत कुमार द्वारा बनाए गए वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को द्वितीय स्थान, डिप्लोमा इलेक्ट्रिकल द्वितीय वर्ष के छात्र लकी, चिराग पवार द्वारा बनाये गये न्यूक्लियर पावर प्लांट एवं डिप्लोमा सिविल, तृतीय वर्ष के अभिषेक, अंशुल कुमार, कप्तान सिंह द्वारा बनाये गये अर्थक्वेक रेजिस्टेंस बिल्डिंग को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। पोस्टर श्रेणी में डिप्लोमा, इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन, प्रथम वर्ष की छात्रा शालिनी, अभिनय चंद्रा द्वारा बनाये गये रेजिस्टेंस कलर कोड को प्रथम स्थान तथा डिप्लोमा कंप्यूटर साइंस द्वितीय वर्ष की संजुल शर्मा, सिमरन द्वारा बनाये गये डाटा बेस मैनेजमेंट सिस्टम को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। वहीं डिप्लोमा इलेक्ट्रिकल प्रथम वर्ष के छात्र नवनीत सिंह द्वारा बनाया गया बायोगैस प्लांट एवं डिप्लोमा कंप्यूटर साइंस द्वितीय वर्ष की अलका कौर, अंश जायसवाल द्वारा बनाये गये एडवांटिजेस ऑफ क्लाउड कंप्यूटिंग को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक एवं यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के निदेशक प्रो. वैभव त्रिवेदी ने इस आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रबंधन को धन्यवाद दिया और आयोजन समिति की प्रशंसा की। प्रदर्शनी की सह संयोजिका एवं यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की अपर निदेशिका डॉ. नीलू त्रिवेदी ने प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के समस्त विभागों के विभागाध्यक्षों डॉ. पुनीत खन्ना, श्री अंकुर जैन, श्री मयंक भारद्वाज, श्री महावीर सिंह रावत समेत समस्त शिक्षकगणों का विशेष योगदान रहा।

आईएफटीएम के शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा चलाया गया डिजिटल साक्षरता अभियान

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साइंस एण्ड एप्लीकेशन्स के शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुरादाबाद के बागड़पुर प्राथमिक विद्यालय में एक विशेष डिजिटल साक्षरता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण बच्चों को डिजिटल उपकरणों और इंटरनेट के सही उपयोग के बारे में जानकारी देना था, ताकि वे आधुनिक तकनीक से जुड़ सकें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नई तकनीकों के माध्यम से हम बड़े लक्ष्य हासिल कर सकते हैं, जिसके लिए हमें विद्यार्थियों को नित नए हो रहे आविष्कारों से अवगत कराना जरूरी है। कार्यक्रम के संयोजक व प्रतिकुलपति- एक्सटर्नल अफेयर्स एवं स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साइंस एण्ड एप्लीकेशंस के निदेशक प्रो. राहुल कुमार मिश्रा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा उद्देश्य इन बच्चों को डिजिटल दुनिया से जोड़ना और उन्हें सशक्त बनाना है, ताकि वे भी आधुनिक तकनीक का लाभ उठा सकें। कार्यक्रम के दौरान आईएफटीएम विश्वविद्यालय के विभिन्न

स्कूलों के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर बच्चों को कंप्यूटर, टैबलेट और स्मार्टफोन के बुनियादी उपयोग के बारे में सरल और व्यावहारिक तरीके से समझाया। बच्चों को इंटरनेट की दुनिया से परिचित कराते हुए उन्हें शैक्षिक वेबसाइटों, ऑनलाइन सीखने के संसाधनों और डिजिटल संचार के तरीकों के बारे में बताया गया। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने बच्चों को इंटरैक्टिव गेम्स और गतिविधियों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता के बुनियादी सिद्धांतों को समझाया। ग्रामीण बच्चों को डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके चित्र बनाने, वीडियो देखने और शैक्षिक ऐप्स का उपयोग करने का तरीका भी सिखाने के साथ ही उन्हें, डिजिटल उपकरणों का उपयोग करने का मौका भी दिया गया। अंत में कार्यक्रम में एक प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों ने अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया। इस मौके पर कम्प्यूटर एप्लीकेशंस विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अरविंद कुमार शुक्ला ने अपने विचार व्यक्त करते हुए ग्रामीण बच्चों को डिजिटल सुरक्षा के महत्व पर विशेष ध्यान रखने की सलाह दी तथा उन्हें बताया कि इंटरनेट का उपयोग करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए व सावधानी बरतते हुए कैसे सुरक्षित रहना चाहिए। साथ ही उन्हें साइबर अपराधों और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के लिए भी जागरूक किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समन्वयक व कप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देवेद्र कुमार समेत डॉ. अभिषेक मिश्रा, डॉ. मनीष रंजन पाण्डेय, डॉ. ललित जौहरी, डॉ. राजदीप सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अमित भटनागर, डॉ. शैली भारद्वाज एवं सुश्री ऋतु नागिला आदि फैकल्टी मैम्बर्स की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्कूल के 100 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आईएफटीएम में महिला सशक्तिकरण विषय पर आयोजित हुआ नेशनल सेमिनार

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड मैनिटीज के समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग की ओर से महिला सशक्तिकरण विषय पर हाइब्रिड मोड के माध्यम से एक दिवसीय नेशनल सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सेमिनार के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिलाओं के सशक्त होने से समाज भी मजबूत होता है। जब महिलायें सशक्त होती है तो वे सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाती हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाती है। उन्होंने यह भी कहा कि महिला सशक्तिकरण, किसी भी देश की संवृद्धि और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस सेमिनार में वित्त विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ में बजट ऑफिसर के पद पर कार्यरत श्रीमती पूजा रमन मुख्य अतिथि रहीं। मुख्य अतिथि श्रीमती रमन ने अपने वक्तव्य में कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए उनके अभिभावकों, शिक्षकों तथा समाज के सभी वर्गों का सहयोग मिलना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि महिलाओं में अदम्य क्षमता होती है, जरूरत सिर्फ उन्हें सही दिशा देने की है। सेमिनार की विशिष्ट अतिथि व उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान की मुख्य संपादक डॉ. अमिता दुबे ने बालिकाओं पर लिखी अपनी कविता के माध्यम से कहा कि महिलाओं के जीवन में बचपन से लेकर जीवन के अंत तक अनेक चुनौतियां आती हैं, जिनका वे बिना शिकायत के सामना करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि समाज में महिलाओं का योगदान अनुकरणीय है। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निदेशक प्रो. मोहनलाल आर्य एवं स्कूल ऑफ साइंसेज के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. एस.डी. शर्मा ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पार्पण कर सेमिनार का शुभारम्भ करते हुए सभी अतिथियों को बुके भेंट कर उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में महिला सशक्तिकरण पर विमर्श करना अत्यंत प्रासंगिक है। साथ ही उन्होंनेयह भी कहा कि इस सेमिनार के माध्यम से बहने वाली ज्ञान की धारा से महिला सशक्तिकरण की दिशा में बल मिलेगा। सेमिनार की संयोजिका व समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. सरिता ने बताया कि इस सेमिनार में 165 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया। उन्होंने यह भी बताया कि हाइब्रिड मोड माध्यम से आयोजित हुए इस सेमिनार में दो तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें देश के विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों ने अपने पेपर प्रस्तुत किए। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता शिक्षा विभाग की डॉ. राजकुमारी गोला तथा सह अध्यक्षता डॉ. बिंदु सिंह ने तथा द्वितीय सत्र की अध्यक्षता अर्थशास्त्र विभाग की डॉ. पूजा गुप्ता, सह अध्यक्षता शिक्षा विभाग की डॉ. लक्ष्मी मिश्रा ने की। कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री पुरोबी बनर्जी ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के श्री पुलकित शर्मा, हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मोहित मिश्रा समेत आयोजन समिति के सभी सदस्यों की विशेष भूमिका रही। सेमिनार के आयोजन सचिव व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शुक्ल ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शोधार्थी व प्रतिभागी उपस्थित रहे।

विधान केसरी
मुरादाबाद

आईएफटीएम में स्टाफ वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य- 2025 का कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने किया शुभारम्भ

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में गतवर्ष की भांति इस वर्ष भी स्टाफ वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य- 2025 का कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने शुभारम्भ किया। इस अवसर पर कुलाधिपति कोठीवाल ने खेल प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल से शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। साथ ही साथ एकजुट होकर कार्य करने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहन भी मिलता है। वहीं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि खेल को खेल की भावना से खेला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में स्टाफ और विद्यार्थी दोनों वर्ग के लिए खेलों का आयोजन होता है। इससे शिक्षकों समेत समस्त स्टाफ मैम्बर्स मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहते हुए अपने कार्य को और भी बेहतर तरीके से कर सकते हैं। कुलाधिपति श्री कोठीवाल, कुलपति प्रो. पाण्डेय और कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल समेत अन्य अतिथियों की मौजूदगी में टॉस उछालने के उपरांत सभी ने खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर परिचय प्राप्त किया। खेल निदेशक प्रो. वैभव त्रिवेदी ने बताया कि स्टाफ वर्ग की 21 मार्च तक तथा विद्यार्थी वर्ग की खेल की प्रतियोगिताएं 24 से 28 मार्च तक चलेंगी। स्टाफ वर्ग में क्रिकेट, बैडमिंटन और टेबल टेनिस की प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य- 2025 के स्टाफ वर्ग में शंकर भवन और स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग (एसईटी) तथा यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक तथा फामेर्सी संकाय की टीम के बीच खेले गए क्रिकेट के रोमांचक मुकाबले में शंकर भवन ने (एसईटी) को करारी शिकस्त दी। शानदार प्रदर्शन के लिए शंकर भवन की टीम के मो. मोविस मैन ऑफ द मैच बने। जबकि फामेर्सी संकाय ने यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की टीम को 20 ओवर के मैच में आसानी से हरा दिया। वहीं फामेर्सी संकाय के प्रो. सुशील कुमार को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। खेल निदेशक प्रो. त्रिवेदी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि खेल के प्रति शिक्षकों समेत समस्त स्टाफ और विद्यार्थियों में खासा उत्साह दिखा। खेल के दौरान विख्यात क्रिकेटर और कोच बदरुद्दीन ने सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. देश दीपक, कपिल गिल, शशांक कुमार, अभिषेक श्रीवास्तव समेत आयोजन समिति के सभी सदस्यों की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक व भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | मंगलवार, 18 मार्च 2025
7

आईएफटीएम में वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्टाफ वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य-2025 का कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि खेल से शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। साथ ही साथ एकजुट होकर कार्य करने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहन भी मिलता है।

स्टाफ वर्ग में क्रिकेट, बैडमिंटन और टेबल टेनिस की प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। स्टाफ वर्ग में शंकर भवन और स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग (एसईटी) तथा यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक तथा फार्मेसी संकाय की टीम के बीच मैत्री मैच खेले गए। रोमांचक मुकाबले में शंकर भवन ने एसईटी को करारी शिकस्त दी।

शानदार प्रदर्शन के लिए शंकर भवन की टीम के मोहम्मद मोविस मैन ऑफ द मैच बने। जबकि फार्मेसी संकाय ने यूनिवर्सिटी पॉलीटेक्निक की टीम को 20 ओवर के मैच में आसानी से हरा दिया। वहीं फार्मेसी संकाय के प्रो. सुशील कुमार को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

खेल निदेशक प्रो. वैभव त्रिवेदी ने बताया कि स्टाफ वर्ग की 21 मार्च तक तथा विद्यार्थी वर्ग की खेल की प्रतियोगिताएं 24 से 28 मार्च तक चलेंगी। इस दौरान कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पांडेय, कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, क्रिकेट कोच बदरुद्दीन, डॉ. देश दीपक, कपिल गिल आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्टाफ वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य-2025 का कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने किया शुभारम्भ

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में गतवर्ष की भांति इस वर्ष भी स्टाफ वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य- 2025 का कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने शुभारम्भ किया। इस अवसर पर कुलाधिपति श्री कोठीवाल ने खेल प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल से शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। साथ ही साथ एकजुट होकर कार्य करने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहन भी मिलता है। वहीं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि खेल को खेल की भावना से खेला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में स्टाफ और विद्यार्थी दोनों वर्ग के लिए खेलों का आयोजन होता है। इससे शिक्षकों समेत समस्त स्टाफ मैम्बर्स मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहते हुए अपने कार्य को और भी बेहतर तरीके से कर सकते हैं। कुलाधिपति श्री कोठीवाल, कुलपति प्रो. पाण्डेय और कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल समेत अन्य अतिथियों की मौजूदगी में टॉस उछालने के उपरांत सभी ने खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर परिचय प्राप्त किया। खेल निदेशक प्रो. वैभव त्रिवेदी ने बताया कि स्टाफ वर्ग की 21 मार्च तक तथा विद्यार्थी वर्ग की खेल की प्रतियोगिताएं 24 से 28 मार्च तक चलेंगी। स्टाफ वर्ग में क्रिकेट, बैडमिंटन और टेबल टेनिस की प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य-2025 के स्टाफ वर्ग में शंकर भवन और स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग (एसईटी) तथा यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक तथा फामेर्सी संकाय की टीम के बीच खेले गए क्रिकेट के रोमांचक मुकाबले में शंकर भवन ने (एसईटी) को करारी शिकस्त दी। शानदार प्रदर्शन के लिए शंकर भवन की टीम के मो. मोविस मैन ऑफ द मैच बने। जबकि फामेर्सी संकाय ने यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की टीम को 20 ओवर के मैच में आसानी से हरा दिया। वहीं फामेर्सी संकाय के प्रो. सुशील कुमार को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

खेल निदेशक प्रो. त्रिवेदी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि खेल के प्रति शिक्षकों समेत समस्त स्टाफ और विद्यार्थियों में खासा उत्साह दिखा। खेल के दौरान विख्यात क्रिकेटर और कोच बदरुद्दीन ने सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. देश दीपक, कपिल गिल, शशांक कुमार, अभिषेक श्रीवास्तव समेत आयोजन समिति के सभी सदस्यों की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक व भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। वि0

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, मंगलवार, 18 मार्च 2025 04

आईएफटीएम में प्रतियोगिता शौर्य 2025 का कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने शुभारंभ किया।

खेल से शरीर रहता है स्वस्थ : कोठीवाल

मुरादाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्टाफ वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य 2025 का कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि खेल से शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। साथ ही साथ एकजुट होकर कार्य करने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहन भी मिलता है। कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने कहा कि खेल को खेल की भावना से खेला जाना चाहिए। कुलाधिपति राजीव कोठीवाल, कुलपति प्रो. पांडेय और कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल समेत अन्य अतिथियों की मौजूदगी में टॉस उछालने के उपरांत खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। खेल निदेशक प्रो. वैभव त्रिवेदी ने बताया कि स्टाफ वर्ग की 21 तक व विद्यार्थी वर्ग की प्रतियोगिताएं 24 से 28 तक चलेंगी। शौर्य 2025 के स्टाफ वर्ग में शंकर भवन और स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के बीच क्रिकेट में शंकर भवन विजयी रहा।

विधान केसरी | मुरादाबाद

आईएफटीएम में स्टाफ वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य– 2025 के लीग मैचों में महिलाओं ने दिखाया दमखम

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में गतवर्षों की भांति इस वर्ष भी आयोजित स्टाफ वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य- 2025 के दूसरे दिन हुए क्रिकेट बैडमिंटन और टेबल टेनिस के मैचों में महिलाओं ने खूब दमखम दिखाया। विभिन्न स्कूलों की महिला टीमों ने बैडमिंटन और टेबल टेनिस में अपना जलवा दिखाया। विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति अभिनव कोठीवाल ने टॉस उछालकर दूसरे दिन के क्रिकेट मैचों का शुभारंभ किया। लीग मैचों में शंकर भवन ने स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी और स्कूल ऑफ साइंसेज को लगातार दो मैचों में जीत हासिल कर बढ़त बना ली है। इसी तरह यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक ने स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट और स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस की संयुक्त टीम को हराकर एक मैच में जीत दर्ज की है। जबकि ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट और स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस की संयुक्त टीम स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज

और स्कूल ऑफ लॉ की संयुक्त टीम को पहले ही मैच में हरा चुकी है। फार्मेसी संकाय की टीम दो मैचों में जीत दर्ज कर शंकर भवन के बराबर चल रही है। बैडमिंटन में पुरुष के सिंगल्स में एसईटी ने शंकर भवन को, एसबीएम और स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस की संयुक्त टीम ने स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज और स्कूल ऑफ लॉ की संयुक्त टीम को, स्कूल ऑफ साइंसेज ने स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी और स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग की संयुक्त टीम को तथा यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक ने फार्मेसी संकाय हराया। इसी तरह महिला सिंगल्स में स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी और स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग ने स्कूल ऑफ साइंसेज को, यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक ने फार्मेसी संकाय को तथा स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज और स्कूल ऑफ लॉ ने एसबीएम और स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस को हरा दिया। पुरुष वर्ग के डबल्स में शंकर भवन, यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक, स्कूल ऑफ साइंसेज, एसबीएम और स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस की संयुक्त टीम ने लीग मैचों में बढ़त हासिल की। महिला वर्ग के डबल्स में यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी और स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग की संयुक्त टीम और स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज और स्कूल ऑफ लॉ की टीमों ने बाजी मारी। प्रतिकुलाधिपति कोठीवाल ने मैन ऑफ द मैच रहे खिलाड़ियों की सम्मानित भी किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल और खेल निदेशक प्रो. वैभव त्रिवेदी ने सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। खेल निदेशक प्रो. त्रिवेदी ने बताया कि लीग मैचों के बाद क्वार्टर और सेमी फाइनल के मैच खेले जाएंगे। स्टाफ वर्ग में क्रिकेट, बैडमिंटन और टेबल टेनिस की प्रतियोगिताएं चल रही हैं। दूसरे दिन आयोजित हुए मैचों में यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के कपिल गिल फार्मेसी संकाय के डॉ. अलंकार श्रीवास्तव, शंकर भवन की टीम के जे.पी. सिंह, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अभिषेक श्रीवास्तव को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। प्रो. त्रिवेदी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि खेल के प्रति शिक्षकों समेत समस्त स्टाफ और विद्यार्थियों में खासा उत्साह दिखा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. देश दीपक, कपिल गिल, शशांक कुमार, अभिषेक श्रीवास्तव सहित आयोजन समिति के सभी सदस्यों की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक व भारी संख्या में शोधार्थी उपस्थित रहे।

अमर उजाला

मुरादाबाद | बुधवार, 19 मार्च 2025

9

शौर्य के लीग मैचों में महिलाओं ने दिखाया दम

अमर उजाला ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्टाफ वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य के लीग मैचों में मंगलवार को महिलाओं ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विभिन्न स्कूलों की महिला टीमों ने बैडमिंटन और टेबल टेनिस में प्रतिभा दिखाई।

प्रतिकुलाधिपति अभिनव कोठीवाल ने टॉस उछालकर दूसरे दिन के क्रिकेट मैचों का शुभारंभ किया। लीग मैचों में शंकर भवन ने स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी और स्कूल ऑफ साइंसेज को लगातार दो मैचों में जीत हासिल कर बढ़त बना ली है। फार्मेसी संकाय की टीम दो मैचों में जीत दर्ज कर शंकर भवन के बराबर चल रही है। बैडमिंटन में महिला एकल मुकाबलों में स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी और स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग ने स्कूल ऑफ साइंसेज को, यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक ने फार्मेसी संकाय को तथा स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज और स्कूल ऑफ लॉ ने एसबीएम और स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस को हरा दिया। ब्यूरो

खिलाड़ी को पुरस्कार देते अतिथि। स्रोत : विवि

आईएफटीएम में एनईपी– 2020: सेन्सिटिजेशन एण्ड ओरिएंटेशन विषय पर हुआ यूजीसी–एफडीपी का शुभारम्भ

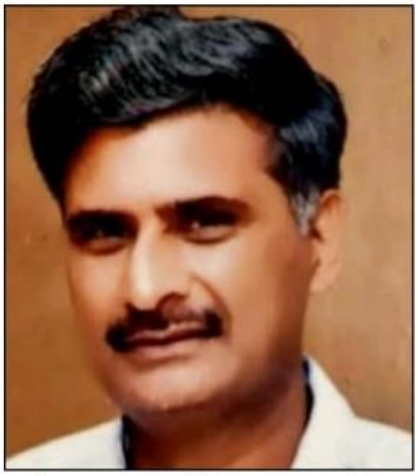

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में यूजीसी-मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर (यूजीसी-एमएमटीटीसी), जेएनवी यूनिवर्सिटी, जोधपुर, राजस्थान के सहयोग से एनईपी-2020: सेन्सिटिजेशन एण्ड ओरिएंटेशन विषय पर ऑनलाइन माध्यम से आयोजित यूजीसी- फैकल्टी डेवलेपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति पर ज्यादा से ज्यादा लोगों को शिक्षित और जागरूक करने की आवश्यकता है, ताकि आने वाली युवा पीढ़ी को इस योजना का अधिक से अधिक लाभ मिल सके। वहीं जेएनवी यूनिवर्सिटी, जोधपुर, राजस्थान में (यूजीसी- एमएमटीटीसी) के निदेशक प्रो. राजेश कुमार दुबे ने कहा कि एनईपी-2020 आने वाली युवा पीढ़ी के लिए करियर के नए द्वार खोलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षण संस्थानों में एनईपी-2020 को भली-भांति लागू करने के लिए शिक्षकों को जागरूक और प्रशिक्षित किया जाना अति आवश्यक है। इस मौके पर कार्यक्रम समन्वयक व स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज के निदेशक प्रो. मोहन लाल आर्य ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह प्रोग्राम ऑनलाइन माध्यम से 25 मार्च तक चलेगा। इस प्रोग्राम में देश के कई राज्यों के विख्यात शिक्षण संस्थानों के 290 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है।

एफडीपी के प्रथम दिन पंजाब यूनिवर्सिटी के आईक्यूएसी के निदेशक व रिसोर्स पर्सन प्रो. संजीव कुमार शर्मा तथा आईआईआईटी, प्रयागराज के निदेशक व रिसोर्स पर्सन प्रो. मुकुल सुटावने ने कहा कि सभी शिक्षक एनईपी- 2020 की नियमावली का गहराई से अध्ययन करें और इसे शिक्षण संस्थानों में लागू करते समय सावधानी बरतते हुए आपस में चर्चा भी करें। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सरिता तथा भावेश मिश्रा ने किया व पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार शुक्ल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य– 2025 में शंकर भवन, यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक और फार्मेसी संकाय, स्कूल ऑफ साइंसेज के बीच गुरुवार को खेला जाएगा सेमीफाइनल

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम में स्टाफ वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य- 2025 में शंकर भवन, यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक और फामेर्सी संकाय, स्कूल ऑफ साइंसेज के बीच गुरुवार को सेमीफाइनल का मैच खेला जाएगा। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्टाफ वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य- 2025 के चल रहे लीग मैचों के मुकाबले में लगातार तीन मैच जीतकर शंकर भवन और फामेर्सी संकाय की टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश कर गई हैं। इसके अलावा यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक और स्कूल ऑफ साइंसेज की टीम ने भी अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। बुधवार को हुए क्रिकेट के लीग मैचों में शानदार प्रदर्शन करते हुए शंकर भवन की टीम के जे.पी. सिंह, यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के आदर्श तिवारी, फार्मेसी संकाय के अनेश सागर, तथा स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की टीम के देवांश मैन ऑफ द मैच रहे। सभी मैन ऑफ द मैच रहे खिलाड़ियों को प्रतिकुलाधिपति अभिनव कोठीवाल ने मेडल देकर सम्मानित किया। टेबल टेनिस में महिला वर्ग के सिंगल्स में एसईटी और यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक, स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज और स्कूल ऑफ लॉ की संयुक्त टीम तथा स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी और स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग की संयुक्त टीम सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं। टेबल टेनिस के महिला डबल्स में एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज और स्कूल ऑफ लॉ की संयुक्त टीम तथा स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी तथा यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक और स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी और स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग की संयुक्त टीम भी सेमीफाइनल में प्रवेश कर गई है। टेबल टेनिस के पुरुष वर्ग के सिंगल्स में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी और स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट और स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस की संयुक्त टीम के बीच तथा शंकर भवन और यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की टीमें सेमीफाइनल में भिड़ेंगी। टेबल टेनिस में पुरुष वर्ग के डबल्स में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी और यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की टीम तथा स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट और स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस की संयुक्त टीम और स्कूल ऑफ साइंसेज की टीमों के बीच सेमीफाइनल खेला जाएगा। बैडमिंटन में महिला और पुरुष वर्ग के सिंगल्स और डबल्स में सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए कटि की टक्कर चल रही है। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, खेल निदेशक प्रो. वैभव त्रिवेदी एवं वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह ने सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। खेल निदेशक प्रो. त्रिवेदी ने बताया कि गुरुवार को सेमीफाइनल के मैच खेले जाएंगे। प्रो. त्रिवेदी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए यह भी बताया कि खेल के प्रति शिक्षकों समेत समस्त स्टाफ और विद्यार्थियों में खासा उत्साह दिखा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. देश दीपक, कपिल गिल, शशांक कुमार, अभिषेक श्रीवास्तव सहित आयोजन समिति के सभी सदस्यों की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक व भारी संख्या में शोधार्थी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में 5 स्वर्ण और 2 रजत पदक जीतकर यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की टीम ने जीता "चैंपियन का खिताब"

आयोजन बेहद रोमांचकारी और यादगार रहा : राजीव कोठीवाल

हार जीत लगी रहती है, लेकिन हारने वाला व्यक्ति ही भविष्य में निरंतर मेहनत करके विजेता बन जाता है : अभिनव कोठीवाल

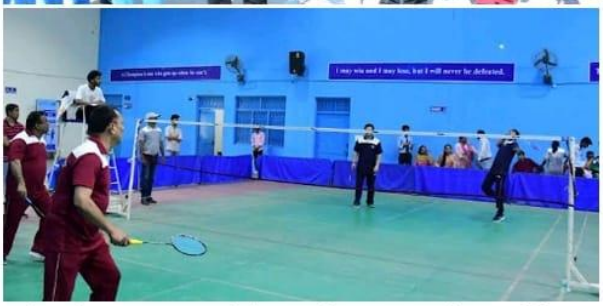

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजित स्टाफ वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य- 2025 में 5 स्वर्ण और 2 रजत पदक जीतकर यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की टीम चैंपियन का खिताब जीत गई हैं। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने विजेता टीमों को बधाई देते हुए कहा कि यह आयोजन बेहद रोमांचकारी और यादगार रहा। स्टाफ वर्ग के सभी सदस्य पूरे मनोयोग से टीम भावना के साथ खेले। श्री कोठीवाल ने कहा कि खेल से आपस में आत्मीयता बढ़ती है और एकजुट होकर काम करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलता है। प्रतिकुलाधिपति अभिनव कोठीवाल ने भी स्टाफ वर्ग के सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हार जीत लगी रहती है, लेकिन हारने वाला व्यक्ति ही भविष्य में निरंतर मेहनत करके विजेता बन जाता है। वहीं कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि विश्वविद्यालय में खेलकूद की उत्कृष्ट सुविधाएं उपलब्ध हैं। शिक्षक और विद्यार्थी इन सुविधाओं का लाभ उठाकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना और अपने संस्थान का नाम रोशन कर रहे हैं। शुक्रवार को खेले गए क्रिकेट, बैडमिंटन और टेबल टेनिस के फाइनल मैचों में यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की टीमों ने बैडमिंटन और टेबल टेनिस में जबरदस्त प्रदर्शन किया, जबकि क्रिकेट में शंकर भवन की टीम ने स्कूल ऑफ साइंसेज को हराकर 1 स्वर्ण पदक जीता। शंकर भवन की टीम 2 और रजत पदक हांसिल कर दूसरे स्थान पर रही, जबकि 1 स्वर्ण और 1 रजत पदक जीतकर स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की टीम तीसरे स्थान पर रही। स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी और स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग की संयुक्त टीम 1 स्वर्ण, 1 रजत पदक जीतकर चौथे स्थान पर, स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट और स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस की संयुक्त टीम 1 स्वर्ण और 1 रजत पदक हांसिल कर पांचवें स्थान पर, स्कूल ऑफ साइंसेज की टीम 1 रजत पदक हासिल कर छठे स्थान पर तथा स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज और स्कूल ऑफ लॉ की संयुक्त टीम 1 रजत पदक लेकर सातवें स्थान पर रही। क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए शंकर भवन की टीम के जे.पी. सिंह मैन ऑफ द मैच रहे। इस मौके विश्वविद्यालय के खेल निदेशक व खेल के आयोजक प्रो. वैभव त्रिवेदी ने बताया कि विद्यार्थी वर्ग की प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ 24 मार्च को होगा। कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह, कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के निदेशक प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, फार्मेसी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा ने ग्राउंड और मल्टीपरपज हाल में पहुंचकर सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रो. त्रिवेदी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि खेल के प्रति शिक्षकों समेत समस्त स्टाफ और विद्यार्थियों में खासा उत्साह दिखा।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. देश दीपक, कपिल गिल, शशांक कुमार, अभिषेक श्रीवास्तव समेत आयोजन समिति के सभी सदस्यों की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक व भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | शनिवार, 22 मार्च 2025
6

पॉलीटेक्निक टीम ने जीती स्टाफ चैंपियनशिप

आईएफटीएम : टीम ने पांच गोल्ड और दो सिल्वर मेडल जीतकर हासिल की उपलब्धि

अमर उजाला ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्टाफ वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता में यूनिवर्सिटी की पॉलीटेक्निक टीम ने खिताब अपने नाम किया। शौर्य-2025 वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में पॉलीटेक्निक टीम ने पांच गोल्ड और दो सिल्वर मेडल जीतकर यह उपलब्धि हासिल की है।

विश्वविद्यालय के खेलकूद प्रभारी के अनुसार शुक्रवार को प्रतियोगिता में क्रिकेट, बैडमिंटन और टेबल टेनिस की स्पर्धाएं हुईं। तीनों ही स्पर्धा में पॉलीटेक्निक टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। क्रिकेट में शंकर भवन की टीम ने स्कूल ऑफ साइंसेज को हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। शंकर भवन की टीम एक गोल्ड और दो सिल्वर मेडल के साथ दूसरे स्थान पर रही।

वार्षिक खेल प्रतियोगिता में मौजूद खिलाड़ी। स्रोत : विवि

एक गोल्ड और एक सिल्वर पदक जीतकर स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की टीम तीसरे स्थान पर रही। चौथे स्थान पर एक गोल्ड और एक सिल्वर मेडल के साथ स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी एवं स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग की टीम संयुक्त रूप से रही। स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस की टीम पांचवें, स्कूल ऑफ साइंसेज छठवें, स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज और स्कूल ऑफ लॉ की टीम संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर रही।

क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले जेपी सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया। खेल निदेशक प्रो. वैभव त्रिवेदी के अनुसार विद्यार्थी वर्ग की प्रतियोगिता 24 मार्च से खेली जाएगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने विजेता टीम को बधाई दी और अन्य टीमों का भी उत्साह बढ़ाया। कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय और अभिनव कोठीवाल ने भी टीमों का उत्साह बढ़ाया। इस मौके पर कुल सचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह, प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रो. नवनीत वर्मा आदि मौजूद रहे।

आईएफटीएम में बिजनेस मॉडल कैनवास विषय पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) द्वारा स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के सहयोग से बिजनेस मॉडल कैनवास (बीएमसी) विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने छात्र-छात्राओं की बहुआयामी सफलता का मार्ग प्रशस्त करने की दिशा में इस प्रकार के लाभदायी कार्यक्रम आयोजन करने हेतु आयोजन समिति के सदस्यों की प्रशंसा भी की। वहीं स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की निदेशिका डॉ. निशा अग्रवाल ने आईआईसी की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के सत्र विद्यार्थियों को उद्यमी बनने के लिए प्रेरित करते हैं। आईआईसी के अध्यक्ष एवं स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि इस सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्यमिता कौशल का निर्माण करना है। कार्यशाला के मुख्य वक्ता व विश्वविद्यालय के मैनेजमेंट विभाग के डॉ. हिमांशु गुप्ता ने विद्यार्थियों को बताया कि बीएमसी किसी भी नए या मौजूदा व्यवसाय के लिए एक व्यापक ढांचे की तरह कार्य करता है और यह एक पुर्नरावृत्ति प्रक्रिया है। उन्होंने प्रतिभागी विद्यार्थियों को बीएमसी मॉडल द्वारा निर्मित अवसरों और चुनौतियों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। साथ ही उन्होंने सभी विद्यार्थी प्रतिभागियों को व्यवस्थित दृष्टिकोण के साथ अपने स्वयं के स्टार्ट-अप के निर्माण का सपना पूरा करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। कार्यक्रम का संचालन सह संयोजिका डॉ. निधि चौधरी ने किया। इस अवसर पर आईक्यूएसी के निदेशक डॉ. राकेश कुमार यादव, डॉ. आशीष कुमार सक्सेना एवं डॉ. मेघा भाटिया समेत श्री अक्षय शर्मा, डॉ. अर्चना कटारिया, सुश्री ज्योति सिंह, सुश्री मोनिका चौहान आदि फैकल्टी मैम्बर्स उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. आरती गर्ग एवं संयोजक डॉ. अतानु नाग ने कार्यशाला के विषय के महत्व पर प्रकाश डाला व सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के 90 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

अमर उजाला
amarujala.com
मुरादाबाद | मंगलवार, 25 मार्च 2025
9

आईएफटीएम : मार्च पास्ट कर शौर्य प्रतियोगिता का किया आगाज

आईएफटीएम में खेल प्रतियोगिता का आगाज करते अतिथि। स्रोत : विवि

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में विद्यार्थी वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य-2025 का कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने आगाज किया। उन्होंने कहा कि आप सभी खेल की भावना से खेलें और अपनी प्रतिभा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।

प्रति कुलाधिपति अभिनव कोठीवाल ने कहा कि खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं। कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने कहा कि विद्यार्थी पढ़ाई को प्राथमिकता देने के साथ ही खेल को भी अपने जीवन में स्थान दें, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके।

कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, यूपीसीए के अध्यक्ष विजय गुप्ता, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह, खेल निदेशक प्रो. वैभव त्रिवेदी, प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, प्रो. नवनीत वर्मा समेत सभी अन्य स्कूलों के निदेशकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। सभी टीमों ने पूरे परिसर में मार्च पास्ट किया।

पहले दिन क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कैरम तथा चेस के लीग मैचों में अपनी बढ़त बनाने के लिए खिलाड़ियों ने खूब पसीना बहाया। इस वर्ष पुरुष और महिला वर्ग में 'खो खो' खेल भी होंगे। प्रतियोगिताएं 28 मार्च तक चलेंगी। इस दौरान डॉ. देश दीपक, कपिल गिल, शशांक कुमार, अभिषेक श्रीवास्तव आदि का सहयोग रहा। ब्यूरो

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद
मंगलवार
25 मार्च 2025
07

आईएफटीएम में प्रतियोगिता के शुभारंभ पर कुलाधिपति राजीव कोठीवाल व अन्य।

अपनी प्रतिभा का करें प्रदर्शन : कोठीवाल

मुरादाबाद । आईएफटीएम विश्वविद्यालय में विद्यार्थी वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य-2025 का शुभारंभ हो गया। कुलाधिपति राजीव कोठीवाल, प्रतिकुलाधिपति अभिनव कोठीवाल एवं कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय ने दीप प्रज्वलन व पुष्पार्पण कर शुरुआत की। कुलाधिपति राजीव कोठीवाल ने कहा कि आप सभी खेल की भावना से खेलें और प्रतिभा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। इस मौके पर खेल निदेशक व खेल के संयोजक प्रो. वैभव त्रिवेदी, डॉ. देशदीपक, कपिल गिल, शशांक कुमार, अभिषेक श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

आईएफटीएम विश्वविद्यालय में विद्यार्थी वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य- 2025 में लीग मैचों में बढ़त बनाने के खिलाड़ियों ने बहाया पसीना

युग बन्धु समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में चल रहे विद्यार्थी वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य- 2025 में लीग मैचों में बढ़त बनाने के लिए खिलाड़ियों ने खूब पसीना बहाया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह, खेल निदेशक व खेल के संयोजक प्रो. वैभव त्रिवेदी, स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के निदेशक प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, फामेसी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा समेत सभी स्कूलों के निदेशकों ने खेल ग्राउंड पर पहुंचकर सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। अब तक संपन्न हुए विभिन्न प्रतिस्पधाओं में फुटबॉल का मैच बेहद रोमांचकारी रहा, जिसमें स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की टीम अव्वल रही। दूसरे नंबर पर स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड मैनिटीज और स्कूल ऑफ लॉ की संयुक्त टीम तथा स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट और स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस की संयुक्त टीम तीसरे स्थान पर रही। कैरम के पुरुष वर्ग के सिंगल्स में स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड मैनिटीज और स्कूल ऑफ लॉ की संयुक्त टीम तथा डबल्स में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट और स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस की संयुक्त टीम के बीच बुधवार को सेमीफाइनल का मैच खेला जाएगा।

खेल निदेशक व खेल संयोजक प्रो. त्रिवेदी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि इस बार क्रिकेट, बैडमिंटन, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबाल, टेबल टेनिस, चेस, कैरम, जेवलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो, लांग जंप, हाई जंप, रेस, कबड्डी, खो खो आदि की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं, जो कि 28 मार्च तक चलेंगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. देश दीपक, श्री कपिल गिल, श्री शशांक कुमार, श्री अभिषेक श्रीवास्तव समेत आयोजन समिति के सभी सदस्यों की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक व भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। वि0

आईएफटीएम में विद्यार्थी वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता में छात्राओं का रहा जोरदार प्रदर्शन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में चल रहे विद्यार्थी वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य-2025 में छात्राओं ने बास्केटबॉल सहित कैरम, टेबल टेनिस, बैडमिंटन एवं खो-खो में अपनी प्रतिभा का जलवा दिखाया, महिला वर्ग की टीम बास्केटबॉल की रोमांचकारी प्रतियोगिता में स्कूल ऑफ साइंसेज ने फामेर्सी संकाय को हराकर फाइनल में पहुंच गई है। इसी तरह स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज और स्कूल ऑफ लॉ की संयुक्त टीम ने स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट और स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस की संयुक्त टीम को रौंदकर फाइनल में अपनी जगह बना ली है। अभी तक हुई विविध प्रतिस्पधाओं में स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज और स्कूल ऑफ लॉ की संयुक्त टीम 2 स्वर्ण, 1 रजत, 3 कांस्य सहित कुल 6 पदक जीत कर शीर्ष पर है। स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट और स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस की संयुक्त टीम 2 स्वर्ण, 1 रजत, 2 कांस्य के साथ कुल 5 पदक के साथ दूसरे स्थान पर तथा 1 स्वर्ण, 1 रजत सहित कुल 2 पदक लेकर स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की टीम तीसरे स्थान पर है। वहीं 1 स्वर्ण पदक जीत कर स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी और स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग की संयुक्त टीम चैथे स्थान पर चल रही। खेल के मैदान में क्रिकेट, कबड्डी, खो-खो, रेस, जंप, जेवलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो के लिए जोर आजमाइश चल रही है। खेल निदेशक व खेल संयोजक प्रो. त्रिवेदी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि इस बार कबड्डी और खो-खो में विद्यार्थी अधिक रुचि ले रहे हैं।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह, स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के निदेशक प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, फामेर्सी संकाय के निदेशक प्रो. नवनीत वर्मा सहित सभी स्कूलों के निदेशकों ने खेल ग्राउंड पर पहुंच कर सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. देश दीपक, श्री कपिल गिल, श्री शशांक कुमार, श्री अभिषेक श्रीवास्तव समेत आयोजन समिति के सभी सदस्यों की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक व भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद, गुरुवार, 27 मार्च 2025 06

खेल प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने दिखाया दम

आयोजन

- आईएफटीएम में किया जा रहा खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन
- स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज और स्कूल ऑफ लॉ की टीम शीर्ष पर

आईएफटीएम में आयोजित बास्केटबॉल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करतीं महिला खिलाड़ी।

मुरादाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में चल रहे विद्यार्थी वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य-2025 में छात्राओं ने बास्केटबॉल सहित कैरम, टेबल टेनिस, बैडमिंटन एवं खो-खो में प्रतिभा दिखाई। बास्केटबॉल महिला वर्ग में स्कूल ऑफ साइंसेज ने फार्मेसी संकाय को हराकर फाइनल में जगह बनाई।

इसी तरह स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज और स्कूल ऑफ लॉ की संयुक्त टीम ने स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट और स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस की संयुक्त टीम को रौंदकर फाइनल में अपनी जगह बना ली है। अभी तक हुई विविध प्रतिस्पर्धाओं में स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज और स्कूल ऑफ लॉ की संयुक्त टीम 2 स्वर्ण, 1 रजत, 3 कांस्य सहित कुल 6 पदक जीत कर शीर्ष पर है। खेल निदेशक व खेल संयोजक प्रो. त्रिवेदी ने कहा कि इस बार कबड्डी और खो-खो में विद्यार्थी अधिक रुचि ले रहे हैं।

विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह, स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के निदेशक प्रो. राहुल मिश्रा, फार्मेसी संकाय के निदेशक प्रो. नवनीत वर्मा सहित सभी स्कूलों के निदेशकों ने खेल ग्राउंड पर पहुंच कर सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर डॉ. देशदीपक, कपिल गिल, शशांक कुमार, अभिषेक श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

आईएफटीएम में सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत हुआ विविध कार्यक्रमों का आयोजन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के अनुपालन में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई एंव रोड सेफ्टी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा अभियान- 2025 के तहत नो हेलमेट, नो एंट्री, नो अटेंडेंस की थीम पर निबंध लेख, नारा लेखन प्रतियोगिता एवं जागरूकता अभियान आदि विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा एवं जीवन के मूल्यों के प्रति युवाओं को जागरूक करना अति आवश्यक है। प्रो. अग्रवाल ने कहा कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाई जा सकती है। वहीं एनएसएस इकाई के समन्वयक व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह ने बताया कि सड़क सुरक्षा अभियान के अन्तर्गत सड़क दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत कमी लाने हेतु जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के बीच सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने हेतु अभियान चलाने के साथ-साथ कैंपस में हेलमेट और ड्राइविंग लाइसेंस बिना विश्वविद्यालय परिसर में उनकी एंट्री नहीं होगी।

प्रो. सिंह ने यह भी बताया कि विद्यार्थियों ने सड़क सुरक्षा के सम्बन्ध बेहद प्रभावशाली नारे भी लिखे। कार्यक्रम में सह समन्वयक व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अरुण कुमार मिश्रा ने सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि युवाओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने से कई जानें बचाई जा सकती है।

इसी तरह विश्वविद्यालय में बुधवार को एक जागरूकता कैंप भी लगाया गया, जिसमें कार्यक्रम के आयोजक डॉ. अशोक कुमार, आयोजन सचिव श्रीमति रूचि चौधरी ने एनएसएस स्वंय सेवकों के साथ मिलकर हेलमेट की उपयोगिता के बारे में स्थानीय लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. पूजा नारंग, डॉ. समीर चन्द्रा, डॉ. शिव प्रताप सिंह, डॉ. उदित यादव, श्री लविश विश्नोई आदि का विशेष योगदान रहा।

आईएफटीएम यूनिवर्सिटी में हुई वन्यजीव संरक्षण पर स्लोगन लेखन प्रतियोगिता

विधान केसरी समाचार

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ साइंसेज के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा वन्यजीव संरक्षण पर "वाइल्ड लाइफ कंजरवेशन फाइनेंसः इन्वेस्टिंग प्यूपल एंड प्लैनेट" विषय पर एक "स्लोगन लेखन प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दी।
प्रतियोगिता का उद्घाटन कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बी.के. सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि जीवों के संरक्षण के बिना हमारा जीवन लगभग असंभव है। वहीं वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देश दीपक ने कहा कि वन्यजीव दुनियां के पारिस्थितिकी तंत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो प्रकृति की कई प्रक्रियाओं को संतुलित रखते हैं। कार्यक्रम में डॉ. अशोक कुमार ने विद्यार्थियों को वन्य जीवन संरक्षण के प्रति जागरूक रहने को कहा।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा वन्य जीवन की रक्षा करें, 'प्रकृति की सुंदरता की रक्षा करें', 'हर जानवर का अपना स्थान है' एवं 'जब आप वन्य जीवन को बचाते हैं, तो आप विश्व को बचाते हैं' आदि वन्य जीवन संरक्षण पर विभिन्न प्रकार के स्लोगन का प्रदर्शन किया। उन्होंने यह भी कहा कि हम वन्यजीवों को शालीनता से बचाएं, के माध्यम से लोगों में जागरूकता जगाने की कोशिश की गई। प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर एम.एससी बॉटनी की छात्रा प्रियांशी अरोड़ा ने प्रथम एवं बी.एससी (पी.सी.एम) की छात्रा सोनाक्षी आर्य ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि जितेश कुमार, निशा यादव, वर्णिमा, अनामिका एवं अर्चना को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। डॉ. पूजा नारंग ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस प्रतियोगिता में स्कूल के लगभग 50 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में वनस्पति विज्ञान विभाग की कु. मीनू, डॉ. समीर चंद्र, डॉ. शिव प्रताप, डॉ. वंदना आनंद एवं डॉ. उदित यादव आदि फैकल्टी मैम्बर्स का विशेष योगदान दिया।

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद, गुरुवार, 27 मार्च 2025 07

आईएफटीएम में स्लोगन लेखन प्रतियोगिता की विजेता छात्राएं। • हिन्दुस्तान

स्लोगन प्रतियोगिता में प्रियांशी ने मारी बाजी

मुरादाबाद। आईएफटीएम के स्कूल ऑफ साइंसेज के वनस्पति विज्ञान बिभाग की ओर से वाइल्ड लाइफ कंजरवेशन फाइनेंस : इन्वेस्टिंग प्यूपल एंड प्लैनेट विषय पर स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सभी कों शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता का उद्घाटन कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ साइंसेज के निदेशक प्रो. बीके सिंह ने किया। प्रतियोगिता में एमएससी बॉटनी की छात्रा प्रियांशी अरोड़ा ने प्रथम एवं बीएससी की छात्रा सोनाक्षी आर्या ने द्वितीय स्थान हासिल किया।

हिन्दुस्तान
मुरादाबाद
गुरुवार
27 मार्च 2025
04

आईएफटीएम में सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करते स्वयंसेवक।

'हेलमेट हमारी सुरक्षा, इसे जरूर पहनें'

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई एंव रोड सेफ्टी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा अभियान को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके तहत 'नो हेलमेट, नो एंट्री, नो अटेंडेंस' की थीम पर निबंध लेख, नारा लेखन प्रतियोगिता एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। विवि के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कहा कि हेममेट हमारी सुरक्षा है इसे जरूर पहनें। सभी को जागरूक करना जरूरी है।

हिन्दुस्तान

मुरादाबाद, शुक्रवार, 28 मार्च 2025 06

विवि की स्पोर्ट्स मीट में छाए रहे खिलाड़ी

मुरादाबाद, संवाददाता। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में एनुअल स्पोर्ट्स मीट शौर्य 2025 में खिलाड़ियों ने दम दिखाया। गुरुवार को एथलीट खेलों का विवि के कुलपति प्रो. महेंद्र प्रसाद पांडेय, कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने 100 मीटर रेस को क्लैपर बजाकर रवाना किया। विद्यार्थी वर्ग की स्पोर्ट्स मीट में एथलीट का बोलबाला रहा। पुरुष और महिला वर्ग के खिलाड़ियों ने रेस, लांग जंप, हाई जंप, जेवलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो आदि खेलों में बढ़ चढ़कर कर हिस्सा लिया। अभी तक हुई विविध प्रतिस्पर्धाओं में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की टीम आठ स्वर्ण, तीन रजत और पांच कांस्य के साथ कुल 16 पदक जीत कर पहले स्थान पर पहुंच गई है। स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज और स्कूल ऑफ लॉ की संयुक्त टीम छह स्वर्ण, छह रजत और सात कांस्य सहित कुल 19 पदक जीत कर दूसरे स्थान पर है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल वित्त आदि रहे।

आईएफटीएम में विद्यार्थी वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य-2025 में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट 10 स्वर्ण पदक जीतकर बना ओवर ऑल चैंपियन

मुरादाबाद (विधान केसरी)। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में चल रहे विद्यार्थी वर्ग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता शौर्य-2025 में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट की टीम 10 स्वर्ण, 5 रजत, 7 कांस्य के साथ 22 पदक जीतकर ओवर ऑल चैंपियन बन गई है। इसी तरह स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड ह्यूमैनिटीज और स्कूल ऑफ लॉ की संयुक्त टीम 9 स्वर्ण, 6 रजत, 7 कांस्य सहित कुल 22 पदक जीतकर प्रथम रनर अप रही, जबकि स्कूल ऑफ साइंसेज की टीम 6 स्वर्ण, 8 रजत, 4 कांस्य सहित 18 पदक लेकर द्वितीय रनर अप रही। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राजीव कोठीवाल, कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय, कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने सभी विजेता खिलाड़ियों को शील्ड और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। कुलाधिपति ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की

कामना करते हुए कहा कि खिलाड़ी जीते या हारे दोनों ही परिस्थितियों में खेल से जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। कुलपति प्रो. महेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने भी सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि जीवन में जीतने के लिए हार से सीखना बहुत जरूरी है तभी जीत सुनिश्चित होगी। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यार्थियों की शैक्षिक और करियर की उन्नति के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन प्रतिबद्ध हैं और विद्यार्थियों को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। खेल प्रतियोगिता के समापन समारोह के अवसर पर कुलसचिव प्रो. अग्रवाल, स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस के निदेशक प्रो. राहुल कुमार मिश्रा, फार्मेसी संकाय के डीन प्रो. नवनीत वर्मा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. अनुज श्रीवास्तव, वित्त अधिकारी डॉ. कुशल पाल सिंह समेत सभी निदेशकों, चीफ प्रॉक्टर प्रो. हरप्रीत सिंह एवं कैंपस इंजीनियर श्री सी.एस. नागिला ने भी विद्यार्थियों को मेडल प्रदान कर सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। खेल निदेशक व खेल के संयोजक प्रो. वैभव त्रिवेदी ने बताया कि स्पोर्ट्स मीट शौर्य- 2025 में स्टाफ और विद्यार्थी दोनो ही वर्ग का प्रदर्शन बेहद रोमांचकारी व जोरदार रहा। विश्वविद्यालय के खेल निदेशक व खेल संयोजक प्रो. त्रिवेदी ने कार्यक्रम के संचालन करते हुए जानकारी दी कि यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की टीम 5 स्वर्ण, 3 रजत, 8 कांस्य के साथ 16 पदक जीत कर चौथे स्थान पर, स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस की टीम 3 स्वर्ण, 1 रजत, 5 कांस्य पदक के साथ 9 पदक हासिल कर पांचवें स्थान पर, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी और स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग की संयुक्त टीम 2 स्वर्ण, 7 रजत, 2 कांस्य सहित 11 पदक लेकर छठे स्थान पर, फार्मेसी संकाय की टीम 1 स्वर्ण, 5 रजत, 2 कांस्य के साथ 8 पदक लेकर सातवें स्थान पर, जबकि स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की टीम 1 स्वर्ण, 2 रजत, 2 कांस्य सहित 5 पदक हांसिल कर आठवें स्थान पर रही। स्पोर्ट्स मीट के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जाने माने खिलाड़ी बदरुद्दीन समेत सभी अंपायरों को भी प्रतीक-चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. देश दीपक, कपिल गिल, शशांक कुमार, अभिषेक श्रीवास्तव सहित आयोजन समिति के सभी सदस्यों की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक व भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड-1, लोक निर्माण विभाग, रायबरेली

पत्रांक: 699/8लेखा/2024-25 दिनांक : 22/03/2025

ई-निविदा सूचना

राज्यपाल महोदय, UPMD की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड-1, UPMD लोक निर्माण विभाग, रायबरेली द्वारा प्रतिशत दर पर उत्तर प्रदेश